ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष- 5, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 330 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
05 जून 2026 शुक्रवार

आज का मौसम
37.0 अधिकतम
20.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

राज्यसभा के लिए क्या तीसरा प्रत्याशी भी उतारेगी बीजेपी ?

कमलनाथ की हसरतें रहीं नाकाम मीनाक्षी को मिला इनाम

कांग्रेस के सियासी हलकों में इस बात को लेकर खासी चर्चा है कि राहुल गांधी ने राज्यसभा के लिए कमलनाथ की दावेदारी को दरकिनार करके मंदसौर की पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन पर दांव क्यों लगाया? मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद से कमलनाथ ने मध्यप्रदेश खासतौर पर भोपाल से खासी दूरी बना रखी है। विधायक होने के बावजूद वे विधानसभा में आना भी पसंद नहीं करते।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

उनकी तमन्ना थी कि विधानसभा में उनका प्रवेश तभी होगा जब वह राज्यसभा उम्मीदवार के रूप में पर्चा भरने जाएंगे। लेकिन कांग्रेस आलाकमान यानी राहुल गांधी ने उनकी हसरतों पर पानी फेर दिया।

इस मामले में दिग्विजय सिंह की तारीफ हो रही है, जिन्होंने कई महीनों पहले कह दिया था कि वह राज्यसभा में तीसरी बार नहीं जाएंगे। शायद उन्हें अंदाजा था कि राहुल गांधी उन्हें तीसरी बार राज्यसभा में जाने का मौका कतई नहीं देंगे। दूसरी तरफ, उनके दिलोदिमाग में यह आशंका भी थी कि भाजपा तीसरी सीट के लिए भी जोर आजमाईश करेगी। ऐसे हालात में भोपाल और राजगढ़ लोकसभा चुनाव हारने के बाद राज्यसभा हारने का जोखिम क्यों मोल लिया जाए। लेकिन कमलनाथ को इस बात का पूरा यकीन था कि यदि उनको उम्मीदवार बनाया गया तो वह भाजपा के प्रादेशिक

रजनीश अग्रवाल

तरूण चुघ

मीनाक्षी नटराजन

?

नेताओं के साथ तालमेल बिठाकर आसानी से राज्यसभा में पहुंच जाएंगे। वे इंदिरा गांधी के तीसरे बेटे होने का दंभ तो भरते ही हैं, कह पाएंगे कि उन जैसे नेता की जगह भोपाल की विधानसभा नहीं दिल्ली की राज्यसभा है।

भाजपा ने तो अपने खाते में संभावित दो सीटों के हिसाब से आरएसएस की विचारधारा से जुड़े चिंतक और विचारक तरूण चुघ के साथ रजनीश अग्रवाल को राज्यसभा उम्मीदवार घोषित किया है। रजनीश की उम्मीदवारी भाजपा के आम कार्यकर्ताओं में यह संदेश देने के लिए है कि पार्टी के कपाट सभी के लिए खुले हुए हैं। वह अपने बड़े नेताओं के साथ साधारण कार्यकर्ताओं को भी उतनी ही तवज्जो देती है।

अब इस बात पर गौर फरमाएं कि तीसरी सीट भाजपा के खाते में कैसे आ सकती है, जिसके लिए वह पूरी कोशिश करेगी। जिन तीन सीटों के लिए चुनाव होना हैं, उनमें प्रत्येक सीट जीतने के लिए 58 विधायकों का होना जरूरी है। इस लिहाज से देखें तो भाजपा के 163 और कांग्रेस के 66 विधायक हैं तथा एक अन्य है। यानी भाजपा के दोनों उम्मीदवारों की 116 सीटों के साथ जीत तय है। अब भाजपा के सामने सवाल यही है कि बचे हुए 47 विधायकों का वह क्या करेगी? तीसरी सीट के लिए मात्र 11 विधायक ही तो उसे जुटाना है। इसमें एक अन्य को जोड़ लें तो केवल दस कांग्रेसी विधायकों को राजी करना है। पर लाख टके का सवाल यह है कि क्या भाजपा इसके लिए तैयार होगी? जवाब यही है कि राज्यसभा में अधिकाधिक सीटें पाने को बेताब पार्टी यह दांव खेल सकती है। अभी 245 राज्यसभा सदस्यों में भाजपा के 113 सदस्य हैं। यानी बहुमत के आंकड़े से दस सीटों की दूरी है। इस अंतर को पाटना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह का प्रमुख लक्ष्य है।

किसी भाजपा नेता के बजाए वह किसी नए चेहरे पर दांव लगा सकती है। यह इसलिए भी मुमकिन है कि मीनाक्षी नटराजन को प्रदेश के कांग्रेस का कोई भी दिग्गज नेता किसी गिनती में नहीं रखता। वह सिर्फ सोनिया और राहुल गांधी की पसंद के चलते मप्र की सियासत में आईं। लेकिन, उनका दायरा एक बार मंदसौर लोकसभा जीतने से ज्यादा आगे नहीं बढ़ा। इसलिए यह मुमकिन है कि कांग्रेस के बड़े क्षत्रपों से सीधे जुड़े विधायक क्रॉस वोटिंग कर दें। कांग्रेस की बीना क्षेत्र की विधायक निर्मला सप्रे को लेकर पहले से ही सस्पेंस है जो भाजपा में आने का एलान कर चुकी हैं लेकिन उन पर दलबदल कानून को लांघने का आरोप अभी साबित नहीं हुआ है, जिसके चलते तकनीकी रूप से वह कांग्रेस में बनी हुई हैं। यदि निर्मला ने भाजपा के या उसके व्दारा प्रायोजित किसी निर्दलीय प्रत्याशी पर दांव खेला तो भाजपा को कांग्रेस के मात्र नौ विधायक ही जुटाना पड़ेंगे।

न्यूज विंडो

इंदौर में इलेक्ट्रिक व्हीकल के शोरूम में लगी आग

इंदौर। स्कीम-136 स्थित एक अपार्टमेंट के ग्राउंड फ्लोर पर बने इलेक्ट्रिक वाहन शोरूम में श्सुबह करीब 8:15 बजे आग लग गई। आग लगने से ऊपर की दो मंजिलों पर रहने वाले छह परिवार फंस गए। धुएं और आग के कारण वे सीढ़ियों से नीचे नहीं उतर सके। रहवासियों ने एकजुटता दिखाते हुए सभी को सुरक्षित निकाल लिया। हालांकि फायरकर्मी भी पहुंच गए और आग पर काबू कर लिया। स्थानीय लोगों ने रस्सी और सीढ़ियों की मदद से बचाव अभियान चलाया तथा 20 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। आग शोरूम तक ही सीमित रही, जिससे फ्लैटों तक लपटें नहीं पहुंचीं और परिवारों का घरेलू सामान सुरक्षित बच गया।

हरियाणा में क्रेन पलटी, तीन मौतें, चार सौ पेड़ उखड़ गए

नई दिल्ली। देश के 11 राज्यों में गुरुवार को आंधी के साथ बारिश हुई। यूपी के 12 शहरों में बारिश हुई। नोएडा में तेज हवाओं में 400 पेड़ उखड़ गए। हरियाणा के फरीदाबाद जिले में फ्लाईओवर निर्माण कार्य में लगी क्रेन कंटेनर पर पलट गई। इसमें 3 मजदूरों की मौत हो गई। वहीं बिहार के भागलपुर में बिजली गिरने से मां-बेटी की मौत हो गई। राजस्थान के जयपुर में दिल्ली से 4 फ्लाइट डायवर्ट करनी पड़ीं। श्रीगंगानगर में ओले गिरे। दिल्ली-एनसीआर में भी खराब मौसम से 11 उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा।

सऊदी अरब के छात्र ने सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

नईदिल्ली। सऊदी अरब से सीबीएसई की कक्षा 12वीं की इम्प्रूवमेंट परीक्षा देने वाले एक छात्र ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। उनका कहना है कि पश्चिम एशियाई देशों में परीक्षा रद्द होने से प्रभावित छात्रों के लिए सीबीएसई ने जो विशेष मूल्यांकन योजना बनाई थी, उसके बावजूद उनका परिणाम अभी तक घोषित नहीं किया गया है। प्रांशु जिगरकुमार पटेल ने संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत यह याचिका दाखिल की है। उन्होंने कहा है कि रिजल्ट न आने की वजह से उनकी आगे की पढ़ाई और उच्च शिक्षा में एडमिशन की संभावना प्रभावित हो रही है और उन्हें कई अवसरों से वंचित होना पड़ रहा है।

आज का कार्टून

मिडिल ईस्ट में अशांति और कमजोर मानसून की आशंका का असर

रिजर्व बैंक का आकलन... इस साल महंगाई बढ़ेगी, जीडीपी ग्रोथ भी कम रहने का अनुमान

मुंबई, एजेंसी

नहीं बदली रेपो रेट, लोन की ईएमआई पर असर नहीं

रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी मीटिंग में रेपो रेट में बदलाव नहीं किया है। इसे 5.25 फीसदी पर बरकरार रखा है। इससे लोन महंगे नहीं होंगे और ईएमआई नहीं बढ़ेगी। वहीं 2027 में महंगाई के अनुमान को 4.6 फीसदी से बढ़ाकर 5.1 फीसदी कर दिया है। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज इसकी जानकारी दी।

मध्य पूर्व में चल रहे तनाव और सप्लाई चेन में रुकावटों के चलते केंद्रीय बैंक ने आर्थिक विकास दर यानी जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को घटा दिया है। अब चालू वित्त वर्ष 26-27 के लिए ग्रोथ अनुमान को 6.9 फीसदी से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया गया है। महंगाई के बढ़ते जोखिमों के बावजूद मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी ने अपनी नीति का रुख तटस्थ बनाए रखने का फैसला किया है। कमेटी स्थिति पर नजर रखते हुए डेटा के आधार पर आगे कदम उठाएगी।

गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बताया कि हालांकि रिटेल महंगाई अभी टारगेट के

दायरे में है, लेकिन वैश्विक तनाव के कारण ईंधन और एनर्जी की बढ़ती कीमतें आगे चलकर खुदरा बाजार और आम जनता की जेब पर दबाव डाल सकती हैं। पश्चिम-दक्षिण मानसून में कमी के अनुमान को लेकर भी चिंता जताई गई है। इसका सीधा असर खेती-किसानी की पैदावार और ग्रामीण इलाकों में मांग पर पड़ सकता है। हालांकि, सरकार की फसल विविधीकरण यानी डायवर्सिफिकेशन जैसी योजनाएं इसके असर को कम करने में मदद करेंगी।

रेपो रेट का असर ग्राहकों पर

जिस ब्याज दर पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। रेपो रेट कम होने से बैंक को कम ब्याज पर लोन मिलेगा। बैंकों को लोन सस्ता मिलता है, तो वो अक्सर इसका फायदा ग्राहकों को पास कर देते हैं यानी बैंक भी अपनी ब्याज दरें घटा देते हैं। इसी तरह जब इकोनॉमी बुरे दौर से गुजरती है तो रिकवरी के लिए मनी फ्लो बढ़ाने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट कम कर देता है। इससे बैंकों को सेंट्रल बैंक से मिलने वाला कर्ज सस्ता हो जाता है और ग्राहकों को भी सस्ती दर पर लोन मिलता है।

सर्विस सेक्टर मजबूत

अच्छी बात यह है कि घरेलू आर्थिक गतिविधियां अब भी मजबूत बनी हुई हैं। मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर का प्रदर्शन बेहतर है और जीएसटी रेशनलाइजेशन व स्थिर रोजगार के चलते शहरी क्षेत्रों में खपत को सहारा मिल रहा है। मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी में 6 सदस्य होते हैं। इनमें से 3 रिजर्व बैंक के होते हैं, जबकि बाकी केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं।

इस्तीफा मंजूर, अन्नामलाई का नया दल बनाने का ऐलान

नईदिल्ली. एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी से इस्तीफा देने के बाद अन्नामलाई ने नई पार्टी बनाने का एलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि आज हम एक आंदोलन शुरू करने जा रहे हैं। हमारी राजनीतिक पार्टी तमिलनाडु में अगला विधानसभा चुनाव लड़ेगी। अन्नामलाई ने मंगलवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मिलकर अपना इस्तीफा सौंपा था। इसके बाद वह अमित शाह और दूसरे बड़े नेताओं से भी मिले थे। दावा है कि शाह ने अन्नामलाई को मनाने की कोशिश की थी, लेकिन बात नहीं बनी। ऐसे में आज उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया गया।

कर्नाटक में मंत्री बनते ही रेड्डी का इस्तीफा

बंगलूरू, एजेंसी। कर्नाटक सरकार में विभागों के बंटवारे के बाद मंत्री रामलिंगा रेड्डी की नाराजगी सामने आई है। उन्हें जल संसाधन विभाग (वाटर रिसोर्सेज) दिए जाने से वे संतुष्ट नहीं हैं और इस मुद्दे पर उन्होंने अपनी असहमति भी जताई है। इसी नाराजगी के बीच अब उन्होंने इस्तीफा भी दे दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी गुजरात और दमन को देंगे 22 हजार करोड़ की सौगात

सूरत/दमन, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज गुजरात और दमन में लगभग 22,000 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे। इस दौरान वह सूरत में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री ने दमन में 'नमो दमन एयरपोर्ट' का उद्घाटन किया, साथ ही 300 बेड वाले अत्याधुनिक 'नमो मेडिकल अस्पताल' का भी लोकार्पण होगा। करीब 300 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात के साथ यह दौरा दमन के बुनियादी ढांचे, पर्यटन, स्वास्थ्य सेवाओं और आर्थिक गतिविधियों को नई गति देने वाला माना जा रहा है। माना जा रहा है कि नमो अस्पताल लोगों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करेगा। 'दमन कन्वेंशन सेंटर' और एनआईएफटी परिसर जैसी परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी जानी है।

इधर, प्रधानमंत्री वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेस-वे के पैकेज छह और सात का उद्घाटन भी करेंगे। इस परियोजना का उद्देश्य गुजरात और महाराष्ट्र के बीच तेज गति वाले परिवहन, लॉजिस्टिक्स दक्षता और आर्थिक संपर्क को मजबूत करना है। प्रधानमंत्री का सूरत जिले के हजीरा जाने का भी कार्यक्रम है। वहां बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा की जाएगी।

डील हुई तो मुलाकात संभव, यूरेनियम लेने सेना भेजने वाले थे, लेकिन इसमें जोखिम

ट्रम्प बोले- ईरान के सुप्रीम लीडर से मिलकर गर्व होगा

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच समझौता होता है, तो वह ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई से मिलने के लिए तैयार हैं।

व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि मैं मिलना नहीं चाहता, लेकिन अगर मुलाकात होती है तो मुझे गर्व होगा। अगर डील हो जाती है तो मुलाकात संभव है। मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं होगी। ट्रम्प ने यह भी कहा कि कोई भी संभावित मुलाकात सम्मानजनक होगी और मैं ईरान के सुप्रीम लीडर से इज्जत से पेश आऊंगा।

इसके अलावा, ट्रम्प ने बताया कि उनकी सरकार ने ईरान से संवर्धित (एनरिच्ड) यूरेनियम हासिल करने के लिए सैनिक भेजने पर विचार किया था, लेकिन यह योजना अंत में खारिज कर दी गई। ट्रम्प के मुताबिक, यह ऑपरेशन बहुत ज्यादा जोखिम भरा था और इसमें अमेरिकी सैनिकों की जान जाने की आशंका थी। इसलिए इसे आगे नहीं बढ़ाया गया।

ओमान के पास ड्रोन हमला

ओमान के मीना अल फाहल टर्मिनल पर एकल-बुओय लंगरगाह के पास हुए विस्फोट के बाद कच्चे तेल की लोडिंग रोक दी गई है। सूत्रों ने बताया विस्फोट एसबीएम 1 व एसबीएम 2 के बीच हुआ। कथित तौर पर ड्रोन हमले के कारण हुआ। इस घटना से ओमान के प्रमुख तेल निर्यात टर्मिनलों में से एक पर लोडिंग गतिविधियां बाधित हुई हैं, हालांकि नुकसान की सीमा या निलंबन की अवधि के बारे में तत्काल कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। वहीं, ईरान ने चेतावनी दी है कि यदि इजरायल ने बेरूत पर हमला किया तो वह खाड़ी देशों को भी निशाना बना सकता है, जिससे क्षेत्र में युद्ध दोबारा भड़कने का खतरा पैदा हो जाएगा।

मेट्रो एंकर

अमेरिका-ब्रिटेन में सख्त होते इमिग्रेशन नियमों के कारण बदल रही युवाओं की पसंद

नया 'टेक हब' बना आयरलैंड, पढ़ने और बसने के लिए बेहतर विकल्प

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय छात्रों को लगता रहा है कि अमेरिका-ब्रिटेन जैसे देशों में पढ़कर उन्हें आसानी से वहां के जॉब मार्केट में एंट्री मिल जाएगी। मगर अब स्थिति बदल चुकी है और यहां पर इमिग्रेशन नियम इतने कड़े हो चुके हैं, जिससे डिग्री लेकर जॉब पाना तो दूर, यहां एडमिशन लेना भी मुश्किल हो गया है। इस बीच अब भारतीय छात्र एक ऐसे देश की तलाश कर रहे हैं, जहां टेक सेक्टर काफी अच्छा हो और साथ ही उन्हें नौकरी के बाद उस मुल्क में बसने का मौका भी मिल जाए। इनके लिए अब आयरलैंड नया डेस्टिनेशन बन रहा है।

स्टडी अब्रॉड एक्सपर्ट मनीषा जावेरी का कहना है कि यूरोप का छोटा सा देश आयरलैंड आज एक नए टेक हब के तौर पर उभर रहा है। यहां पर लंबे समय तक जॉब करने और वहीं बसने की

संभावना भी है। दरअसल, ब्रेक्जिट के बाद से ही ब्रिटेन से कई सारी कंपनियों ने अपने हेडक्वाटर आयरलैंड में शिफ्ट किए हैं। राजधानी डबलिन आज एक हाई-टेक डिस्ट्रिक्ट में तब्दील हो चुका है, जहां गूगल, मेटा और माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी कंपनियों के दफ्तर हैं। यहां पर साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथ्स की पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स बड़ी संख्या में आ रहे हैं, जिन्हें ग्रेजुएशन के बाद आसानी से जॉब मिल जा रही है।

आयरलैंड में कई बेहतरीन यूनिवर्सिटीज हैं, जहां से कंप्यूटर साइंस, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, डेटा एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी फील्ड में डिग्री ली जा सकती हैं। इनमें ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन, यूनिवर्सिटी कॉलेज डबलिन, यूनिवर्सिटी ऑफ गॉलवे, यूनिवर्सिटी कॉलेज कॉर्क, यूनिवर्सिटी ऑफ लिमरिक, मेनुथ यूनिवर्सिटी और अटलांटिक टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी आदि शामिल हैं।

इनोवेशन बढ़ाने वाला माहौल

मनीषा जावेरी ने बताती हैं आयरलैंड टेक्निकल टैलेंट के लिए लगातार खुद को यूरोप के सबसे बेहतरीन देशों में से एक बना रहा है। यहां कई यहां का माहौल इनोवेशन को बढ़ावा देने वाला है। यहां सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग, एआई, डेटा एनालिटिक्स और साइबर सिक्योरिटी जैसे फील्ड में काम के शानदार अवसर हैं। पढ़ाई के बाद पोस्ट-स्टडी वर्क पाथवे यानी काम करने की सुविधा और आसान इमिग्रेशन नियमों की वजह से विदेशी छात्र यहां पर करियर बनाने के लिए आकर्षित हो रहे हैं। पढ़ाई के साथ-साथ इंडस्ट्री सर्टिफिकेशन, प्रैक्टिकल प्रोजेक्ट्स, इंटर्नशिप और एआई जैसी नई स्किल्स सीखने वाले छात्रों के लिए नौकरी पाने की संभावना काफी बढ़ जाती है। भारतीय छात्रों के लिए सफलता का मंत्र यही है कि उन्हें अपनी पढ़ाई और स्किल्स को आयरलैंड की जरूरतों के हिसाब से ढालना होगा। यहां पर मौके तो हैं, लेकिन छात्रों को पढ़ाई के दौरान ही सही दिशा में स्किल सीखने, इंटर्नशिप करने और कंपनियों से कॉन्टैक्ट बनाने पर ध्यान देना होगा।

आठ लाख लोग जलसंकट से बेहाल

कोलार पाइपलाइन फूटी बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कोलार जलप्रदाय योजना की मुख्य पाइपलाइन फूटने से राजधानी के लगभग 30 प्रतिशत हिस्से में पिछले चार दिनों से गहरा जल संकट बना हुआ है। करीब आठ लाख आबादी वाले क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति ठप होने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि कई कॉलोनियों में लोग बूंद-बूंद पानी के लिए जूझ रहे हैं और दैनिक जरूरतों के लिए निजी टैंकरों पर निर्भर होना पड़ रहा है।

वहीं निगम अधिकारियों की मानें तो शुक्रवार दोपहर तक पाइपलाइन सुधार कार्य पूरा हो सकता है। ऐसे में शनिवार से ही पेयजल आपूर्ति की उम्मीद नजर आ रही है। जानकारी के अनुसार, कोलार जलप्रदाय योजना की करीब 30 वर्ष पुरानी ग्रेविटी मेन पाइपलाइन सनखेड़ी क्षेत्र में क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसके कारण शहर के लगभग ढाई लाख घरों में जलापूर्ति बाधित हो गई। लगातार चौथे दिन भी मरम्मत कार्य जारी रहा, जिससे सात से अधिक जोनों में पानी की सप्लाई नहीं हो सकी।

टैंकरों के भरोसे गुजारा

नगर निगम ने वैकल्पिक व्यवस्था के तहत 70 पानी के टैंकर मैदान में उतारे और चार दिनों में लगभग 1000 ट्रिप जलापूर्ति का दावा किया। इसके बावजूद प्रभावित क्षेत्रों में पानी की मांग के मुकाबले व्यवस्था बेहद कम साबित हुई। लोग दिनभर नगर निगम के हेल्पलाइन नंबरों पर फोन लगाते रहे, लेकिन कई स्थानों पर समय पर टैंकर नहीं पहुंच सके। जल संकट का फायदा उठाते हुए निजी टैंकर संचालकों ने भी मनमाने दाम वसूले। कई क्षेत्रों में एक टैंकर पानी के लिए लोगों को 1000 से 1200 रुपये तक खर्च करने पड़े। चूनाभट्टी, एमपी नगर, शाहपुरा, कोलार, अरेरा कॉलोनी और पुराने शहर के कई हिस्सों में पानी की भारी किल्लत बनी रही।

शिकायतें बढ़ीं, सिस्टम जवाब दे गया

प्रभावित क्षेत्रों में जोन-2, 4, 5, 6, 7, 8, 10 और 21 सबसे अधिक प्रभावित रहे। नागरिकों का आरोप है कि टैंकरों की प्राथमिकता कुछ खास इलाकों तक सीमित रही, जबकि अन्य क्षेत्रों में लोग पानी के लिए भटकते रहे। नगर निगम का शिकायत तंत्र भी दबाव में आ गया और पानी संबंधी एक हजार से अधिक शिकायतें लंबित हो गईं।

शनिवार तक पटरी पर आ सकती जल आपूर्ति

नगर निगम अपर आयुक्त तन्मय वशिष्ठ शर्मा का कहना है कि कोलार जल प्रदाय योजना की पाइप लाइन की मरम्मत हो चुकी है। पानी फिल्टर होने और ओवरहेड टैंकों से घरों तक पहुंचने में अभी 12 घंटे से अधिक का समय और लगेगा। शुक्रवार दोपहर बाद जल आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। शहर में टैंकरों के माध्यम से जल प्रदाय किया जा रहा है।

आंधी-तूफान और बारिश का कहर... कई इलाकों में जलभराव, पेड़ और होर्डिंग गिरे

भोपाल। राजधानी में गुरुवार शाम मौसम ने अचानक करवट ले ली। तेज आंधी-तूफान के साथ हुई बारिश ने शहर की रफ्तार थाम दी। कई क्षेत्रों में तेज हवाओं के कारण पेड़ और होर्डिंग गिर गए, जबकि प्रमुख बाजारों और सड़कों पर जलभराव की स्थिति बन गई। मौसम के बदले मिजाज से लोगों को गर्मी से राहत तो मिली, लेकिन शहर की व्यवस्थाओं की पोल भी खुल गई। शाम के समय तेज हवाओं के साथ शुरू हुई बारिश ने पूरे शहर को अपनी चपेट में ले लिया। कमला पार्क लिंक रोड पर तेज आंधी के कारण पेड़ और होर्डिंग गिरने की घटनाएं सामने आईं, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर मार्ग को सुरक्षित बनाने की मांग की। वहीं शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र न्यू मार्केट में बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर गया। दुकानों के सामने जलभराव होने से व्यापारियों और ग्राहकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर नालियों का पानी सड़कों पर बहता नजर आया, जिससे नगर निगम की बारिश पूर्व तैयारियों पर सवाल खड़े हो गए। बारिश के दौरान कई इलाकों में बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में भी भोपाल और आसपास के क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना बनी हुई है।

घनश्याम मैथिल को उदन्त मार्तण्ड लोकसंवाद सम्मान

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सामाजिक साहित्यिक आध्यात्मिक संस्था दृष्टि गुना द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भोपाल के साहित्यकार एवं सांस्कृतिक पत्रकार घनश्याम मैथिल अमृत को हिंदी पत्रकारिता एवं साहित्य के क्षेत्र में योगदान हेतु उदन्त मार्तण्ड लोक समान सम्मान -2026 से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अतिथियों डॉ. विकास दवे निदेशक साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद भोपाल, डॉ. श्रीराम परिहार वरिष्ठ साहित्यकार पूर्व निदेशक निराला सृजन पीठ, राम सनेहीलाल शर्मा यायवर वरिष्ठ गीतकार फिरोजाबाद एवं अनिरुद्ध सिंह सेंगर संस्था अध्यक्ष ने सम्मान प्रदान किया। इसमें शॉल, श्रीफल, पुष्पहार, अभिनंदन- पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर नरेन्द्र दीपक, ऋषि श्रृंगारी, दिनेश प्रभात, सुनील चतुर्वेदी, कुमार सुरेश, अशोक मनवानी, दीपक पगारे एवं विनोद कुमार जैन को भी सम्मानित किया गया। यह आयोजन हिंदी पत्रकारिता के 200वर्ष पूर्ण होने के उपलक्षय में किया गया था।

लघु उद्योग भारती की पहल पर एमएसएमई मंत्री ने दिए कार्रवाई के निर्देश

लंबित नक्शा संशोधन प्रकरण का होगा निराकरण

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कटनी के बरगवां औद्योगिक क्षेत्र के पिछले 15 वर्षों से लंबित नक्शा संशोधन के निराकरण का रास्ता खुल गया है। लघु उद्योग भारती की पहल पर इसके निर्देश एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप ने दिये हैं। लघु उद्योग भारती का प्रतिनिधि मंडल भोपाल निवास पर इसके मद्देनजर मुलाकात के लिये पहुंचा था।

लगभग पांच घंटे की इस उच्चस्तरीय बैठक में उद्योग आयुक्त दिलीप कुमार सहित मौजूद विभागीय अधिकारियों ने प्रदेशभर से प्राप्त उद्योगों और उद्यमियों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए कई मामलों में मौके पर ही निर्णय लिया है। इससे लंबित लीज प्रकरणों, औद्योगिक क्षेत्रों की आधारभूत सुविधाओं और अन्य प्रशासनिक मामलों के समाधान में सहूलियत मिलेगी। इस अवसर पर संगठन के महासचिव अरूण सोनी मौजूद थे। इस विषय पर भी दिये निर्देश-इस दौरान मंत्री काश्यप ने औद्योगिक क्षेत्रों में सड़क, नाली और जलापूर्ति जैसी अधोसंरचना सुविधाओं के विकास, एक्सपोर्ट फ्रेट सब्सिडी से जुड़ी तकनीकी समस्याओं के समाधान, भूमि हस्तांतरण प्रक्रिया को ऑनलाइन करने, लंबित लीज मामलों के शीघ्र निपटारे, एमएसएमई प्रोत्साहन योजनाओं के तहत अनुदान भुगतान तथा टेंडर प्रक्रिया में सुधार के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

दवा कंपनी का प्रतिनिधि गिरफ्तार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्पेशल टास्क फोर्स भोपाल यूनिट की टीम ने दवा कंपनी के एक प्रतिनिधि को गिरफ्तार किया है। उसने कोडीनयुक्त कफ सिरप के लिए लायसेंस ले रखा था। लेकिन, उसकी आड़ में माल दूसरी जगह स्टोरेज किया जा रहा था। इस मामले में एक अन्य दवा कारोबारी की तलाश है। जबकि पूर्व से रिमांड पर मौजूद दो आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। एसटीएफ के अनुसार मंडीदीप में स्थित विंग्स लाइफ रेमिडिज नाम से लायसेंस लिया गया था। यह लायसेंस बालकिशन के नाम पर था।

कार्रवाई: हलालपुर के होटलों पर छापा, 12 सिलेंडर जब्त

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एसडीएम बैरागढ़ के नेतृत्व में राजस्व, नगर निगम, खाद्य सुरक्षा व खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के संयुक्त दल ने हलालपुर क्षेत्र स्थित होटल नीना पैलेस, होटल सिटी वॉक एवं होटल आर.के. रीजेंसी पर छापामार कार्रवाई कर जांच की। इस दौरान विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर मौके का पंचनामा भी बनाया। कार्रवाई के दौरान होटल सिटी वॉक में गैस सिलेंडरों से संबंधित वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर 12 गैस सिलेंडर जब्त किए गए। वहीं खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत विभिन्न कमियां पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किए गए। निरीक्षण में अग्नि सुरक्षा सहित अन्य आवश्यक सुरक्षा मानकों में भी कमियां मिलीं, जिसके प्रकरण बनाए गए। अधिकारियों ने संबंधित होटल संचालकों को निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने तथा आवश्यक दस्तावेज अद्यतन रखने के निर्देश दिए। संयुक्त निरीक्षण दल में तहसीलदार बैरागढ़, दमकल अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

स्थापना के बाद से भेल टाउनशिप में 5 करोड़ पौधों का हो चुका रोपण

भेल ने राजधानी को दी नई पहचान, तीन साल में रोपे 1.50 लाख से अधिक पौधे

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भेल भोपाल ने पर्यावरण दिवस पर विभिन्न पर्यावरणीय जागरुकता अभियान और सामाजिक पहल के जरिए पौधरोपण कर राजधानी की हरियाली को सुंदर रुप देने के साथ अलग पहचान दी है। इससे राजधानी में एक बड़ा ऑक्सीजन बैंक आकार लेने जा रहा है। भेल ने पिछले तीन सालों में लगभग 1.50 लाख से अधिक पौधरोपण किया है। भेल की स्थापना के बाद अब तक पांच करोड़ पौधे भेल टाउनशिप और आसपास के इलाकों में लग चुके हैं।

भेल के ईडी एके उपाध्याय ने बताया कि अपनी स्थापना दिवस 23 अगस्त 1956 से पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने की दिशा में भेल हर साल अलग-अलग जगहों पर अधिक से अधिक पौधरोपण कर रही है। उन्होंने बताया कि भेल क्षेत्र में नीम, आम, कटहल, शीशम, नीलगिरी, अमलतास, पीपल समेत अनेक प्रजाति के फल छायादार पौधे लगाए गए हैं, इनमें से 75 फीसदी पौधे अब वृक्षों का आकार ले चुके हैं। 2023-24 में 23600, 2024-25 में 59007 व 2025-26 में लगभग 60000 पौधे रोपे गए। इस साल 2026 में भी हजारों पौधे रोपने का लक्ष्य रखा गया है। इस तरह समाज में भेल ने पर्यावरणीय जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा दिया है। पर्यावरण विद् डॉ सुभाष पांडे का मानना है कि पौधरोपण से वातावरण में हरियाली बढ़ता है। वायु गुणवत्ता में सुधार होने के साथ जलवायु परिवर्तन से निपटना आसान होता है। लगातार पौधरोपण से वनस्पति जीवन के संरक्षण में मदद करने के साथ प्राकृतिक संसाधनों के दोहन को भी रोकता है। वही राजधानी भेल की हरियाली ने भोपाल की खूबसूरती को भी विश्व स्तर पर पहचान दी है।

बच्चे अभिषेक पूजा के साथ कर रहे जैन सिद्धांत का पालन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

गर्मियों के अवकाश का सदुपयोग जैन समाज के बच्चों द्वारा प्रतिदिन सुबह से भगवान जिनेंद्र का अभिषेक पूजा अर्चना के साथ किया जा रहा है। इसी के तहत चौक जिनालय में बच्चों ने अष्ट द्रव्य से प्रभु शांति नाथ की आराधना की। शिक्षण संस्कार शिविर के दौरान दिन भर जैन सिद्धांत के अनुसार दिनचर्या का पालन हो रहा है। शिविर प्रभारी मोहित बड़कुल ने बताया कि बाल एवं युवा शिक्षण शिविर में बच्चों द्वारा प्रतिदिन स्वाध्याय सामूहिक आराधना की जा रही है। अनेक बच्चों ने फास्ट फूड आदि का त्याग किया है। शिविर के माध्यम से जीवन में सरल सात्विक जीवन जीने की कला सिखाई जा रही है। शिक्षण के लिए बहार से विद्वान आए हैं जो बच्चों के साथ सभी वर्गों को सरलता के साथ जीवन को सही दिशा और दशा प्रदान करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इनमे प्रमुख रूप से प. अशोक मांगुलकर प. रितेश शास्त्री इंदौर हैं।

मेट्रो एंकर

मंत्री सारंग ने किया आम महोत्सव का शुभारंभ, आठ जून तक चलेगा

नूरजहां, केसर समेत आम की कई किस्मों ने लुभाया

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में चार दिवसीय नाबार्ड आम महोत्सव 9.0 का शुभारंभ मंत्री विश्वास सारंग ने किया। पहले ही दिन ही अलीराजपुर की नूरजहां समेत आम का कई किस्मों ने मन मोहा। ये आम मंहगी होते हुए भी लोगों ने अधिक मात्रा में खरीदा। महोत्सव में प्रदेशभर से आए आम उत्पादक किसानों ने अपनी विशेष किस्मों के आमों का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी 8 जून तक चलेगी।

इस अवसर पर मंत्री सारंग ने कहा कि इस महोत्सव से किसानों को सीधे ग्राहकों से जोड़ने का अवसर मिल रहा है। आयोजकों के अनुसार पिछले आयोजन में करीब 12 टन आम की बिक्री हुई थी, जिससे किसानों को लगभग 17 लाख रुपए का लाभ प्राप्त हुआ। इस बार भी बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। सारंग ने कहा कि ऐसे आयोजन किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे किसानों की आय बढ़ती है और उपभोक्ताओं तक सीधे किसानों की मेहनत और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि आम महोत्सव केवल स्वाद का उत्सव नहीं, बल्कि किसानों की आजीविका को मजबूत करने का माध्यम भी है। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग, अपेक्स बैंक के अध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव, आईएएस मनोज कुमार पुष्प, नाबार्ड की सी. सरस्वती, धीरज गोयल आदि शामिल हुए। इसके बाद अतिथियों ने आम प्रदर्शनी सूचना वाहन को हरी झंडी दिखाई। इस महोत्सव में अलीराजपुर, मंडला, शहडोल, रीवा, सतना, छिंदवाड़ा, पन्ना, देवास और शिवपुरी समेत करीब 10 जिलों के किसान भाग ले रहे हैं। यहां केसर, लंगड़ा, चौसा, नीलम, आम्रपाली, दशहरी, मल्लिका, तोतापुरी, राजापुरी और नूरजहां जैसी प्रसिद्ध किस्में आकर्षण का केंद्र हैं। खास बात यह है कि दुनिया के सबसे बड़े आमों में गिने जाने वाले नूरजहां आम को भी यहां प्रदर्शित किया गया है।

सिस्टम की लापरवाही: शिकायतों के बावजूद राहत नहीं, मटमैले पानी से बुझा रहे प्यास

टेकापार कला-बरखेड़ी में नल लगे, बिल भी आया... बस पानी नहीं पहुंचा

भोपाल/रायसेन, दोपहर मेट्रो

भीषण गर्मी के बीच रायसेन जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। पीएचई विभाग की लापरवाही और अधूरी पड़ी नलजल योजनाओं का खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। ग्राम पंचायत मरखेड़ा गुलाब के अंतर्गत आने वाले टेकापार कला और बरखेड़ी गांव इन दिनों गंभीर जलसंकट से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में 128 घरों तक पाइपलाइन और नल कनेक्शन तो पहुंचा दिए गए, लेकिन टंकी सूखी पड़ी है। इसके बावजूद उपभोक्ताओं से बिल जमा कराने की बात कही जा रही है। दोनों गांवों में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था लगभग ठप है। सूखी पड़ी पानी की टंकियां, जली हुई मोटरें और खराब हैंडपंपों के कारण ग्रामीणों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी पानी नहीं मिल पा रहा है। स्थिति यह है कि महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग प्रतिदिन एक से दो किलोमीटर दूर खेतों में स्थित कुओं से मटमैला पानी लाने को मजबूर हैं।

पानी के लिए संघर्ष

ग्रामीणों के अनुसार महिलाएं सुबह तड़के ही पानी भरने निकल जाती हैं। कई परिवार साइकिल, मोटरसाइकिल और ट्रैक्टर-ट्रॉली के जरिए पानी की ढुलाई कर रहे हैं। जलसंकट के कारण घरेलू कामकाज के साथ पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था भी बड़ी चुनौती बन गई है। टेकापार कला में तीन हैंडपंपों में से केवल एक ही चालू है, लेकिन गिरते जलस्तर के कारण उसमें भी पर्याप्त पानी नहीं निकल रहा। एक हैंडपंप की मोटर पिछले एक वर्ष से जली हुई है, जबकि दूसरे में पत्थर फंसने के कारण वह बंद पड़ा है।

शिकायतों के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई

ग्रामवासियों का आरोप है कि पीएचई एसडीओ राजेश शर्मा से कई बार पेयजल संकट को लेकर गुहार लगाई, लेकिन उन्होंने आज तक ध्यान नहीं दिया। उनकी लापरवाही का खामियाजा डेढ़ हजार की आबादी भुगत रही है। ग्राम पंचायत द्वारा भी पेयजलापूर्ति के लिए टैंकरों से परिवहन की व्यवस्था नहीं की गई है। यदि पंचायत से व्यवस्था हो जाती तो बहुत कुछ राहत मिल सकती थी। **विधायक, सांसद द्वारा ग्राम पंचायत को दिए गए पानी के टैंकर** - भावशील नेताओं के घरों की शोभा बढ़ा रहे हैं। वहीं बेरखेड़ी गांव में भी इसी प्रकार के जल संकट से हाहाकार मचा हुआ है। आक्रोशित ग्रामीणों ने हैंडपंपों की मरम्मत, कुओं की सफाई एवं परिवहन से पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की है।

बरखेड़ी में भी हालात चिंताजनक

टेकापार कला की तरह बरखेड़ी गांव में भी पेयजल संकट गहराया हुआ है। ग्रामीणों ने हैंडपंपों की तत्काल मरम्मत, कुओं की सफाई और टैंकरों के माध्यम से नियमित पेयजल आपूर्ति की मांग प्रशासन से की है।

भोपाल और इंदौर के मेट्रो रेल प्रोजेक्ट कार्यों की समीक्षा, सीएम बोले

मेट्रो रेल यात्रियों की संख्या बढ़ाने के लिए पर्यटन विभाग का लें सहयोग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में भोपाल और इंदौर में मेट्रो रेल संचालन के प्रथम चरण के कार्य पूर्ण होने के बाद परियोजना के आगामी चरणों के कार्य समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। सघन आबादी के क्षेत्रों और कामकाजी नागरिकों की सुगम आवाजाही के लिए मेट्रो रेल व्यवस्था एक वरदान है। प्रदेश की राजधानी भोपाल और प्रमुख व्यवसायिक केन्द्र इंदौर में मेट्रो रेल यात्रियों की संख्या बढ़ाने के लिए पर्यटन विभाग का आवश्यक सहयोग प्राप्त किया जाए। दोनों नगरों की मेट्रो रेल परियोजना के सभी चरणों के सम्पूर्ण कार्यों को तेजी से पूरा किया जा रहा है। समग्र प्रगति की दृष्टि से दोनों परियोजनाओं के दो तिहाई कार्य पूर्ण हो चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय में भोपाल और इंदौर के मेट्रो रेल प्रोजेक्ट कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। नगरीय विकास और आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय और नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित संबंधित वरिष्ठ अधिकारी बैठक में शामिल हुए।

विद्यार्थियों की अध्ययन यात्रा से भी जोड़ें मेट्रो परियोजना को

मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर और भोपाल मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र भी बन रहे हैं। प्रमुख धार्मिक केंद्रों, पर्यटन स्थलों, पुरातात्विक धरोहर स्थलों और टाइगर रिजर्व एवं अभयारण्य की सैर के लिए विद्यार्थियों सहित अन्य नागरिकों के लिए प्रबंध होने से मेट्रो रेल का उपयोग बढ़ेगा। इन प्रयासों में पर्यटन विभाग सहित मध्यप्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकास्ट) की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

भोपाल मेट्रो परियोजना | बैठक में बताया गया कि भोपाल मेट्रो रेल परियोजना में फेज़-1 में सुभाष नगर से एम्स तक दिसम्बर 2025 से संचालन हो रहा है। इस ट्रेक पर 7.1 किलोमीटर क्षेत्र में 8 एलिवेटेड स्टेशन बनाए गए हैं। फेज़-2 में सुभाष नगर से करोंद चौराहा तक 9.64 से किलोमीटर सेक्शन में कार्य हो रहा है, जो जून 2028 तक पूर्ण होना प्रस्तावित है। इस सेक्शन में 6 एलिवेटेड और दो भूमिगत स्टेशन होंगे। इसी तरह फेज़-3 में भदभदा चौराहा से रत्नागिरी चौराहे तक 14.16 लम्बाई के सेक्शन में कार्य हो रहा है।

इंदौर मेट्रो परियोजना | बैठक में बताया गया कि इंदौर मेट्रो रेल परियोजना में फेज-1 के रीच वन में गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर 3 तक 5.26 किलोमीटर के सेक्शन का शुभारंभ मई 20 25 में हो चुका है। फेज-1 के रीच-2 में सुपर कॉरिडोर 3 से मालवीय नगर चौराहे तक 11.43 किलोमीटर के सेक्शन के कार्य लगभग पूर्ण हो चुके हैं। फेज-2 के अंतर्गत रीच-1 में शहीद बगीचा से खजराना चौराहा तक 1.77 किलोमीटर सेक्शन के कार्य जून 2028 तक पूर्ण होंगे।

प्रदेश में नैक की तर्ज पर गठित करें सैक

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में उच्च शिक्षा की आवश्यकता के अनुसार नए महाविद्यालय प्रारंभ किए जाएं। जिन सघन आबादी वाले क्षेत्रों में महाविद्यालय संचालित हैं, वहां विद्यार्थी संख्या बढ़ने पर शिक्षण में शिफ्ट व्यवस्था भी लागू करने पर विचार किया जाए। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की तर्ज पर राज्य परिषद अर्थात सैक के गठन की कार्यवाही प्रारंभ की जाए। रोजगार परक पाठ्यक्रमों पर फोकस किया जाए। आने वाला वर्ष युवा वर्ष होगा, इस नाते अन्य संबंधित विभागों के साथ विद्यार्थियों के हित में नए कार्यक्रमों और प्रकल्पों को लागू करने की तैयारी भी की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में कृषि के स्नातक पाठ्क्रम की व्यवस्था सुनिश्चित कर इस विषय को लोकप्रिय बनाने के प्रयासों पर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने कृषि पाठ्यक्रम से प्रदेश के लगभग 20 हजार से अधिक विद्यार्थियों को जोड़ने की सफलता के लिए उच्च शिक्षा विभाग को बधाई भी दी।

संगठन से संसद की राह पर

रजनीश अग्रवाल को वर्षों की सक्रियता का मिला इनाम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी के मध्य प्रदेश से राज्यसभा उम्मीदवार बनाए गए प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल लंबे समय से संगठन में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। रजनीश अग्रवाल को पार्टी ने राज्यसभा भेजने का निर्णय लेकर यह संदेश दिया है कि भाजपा में जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं और संगठनात्मक नेताओं को भी शीर्ष स्तर पर अवसर मिलता है। रजनीश अग्रवाल का राजनीतिक सफर संगठन से शुरू होकर अब संसद के उच्च सदन तक पहुंचने जा रहा है। प्रदेश भाजपा में वे लंबे समय से विभिन्न जिम्मेदारियां निभाते रहे हैं। संगठन विस्तार, कार्यकर्ता समन्वय, चुनावी प्रबंधन और पार्टी कार्यक्रमों के संचालन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भाजपा के भीतर उनकी पहचान ऐसे नेता के रूप में है, जो कार्यकर्ताओं के बीच लगातार सक्रिय रहते हैं और संगठन को मजबूत बनाने में विश्वास रखते हैं।

राज्यसभा उम्मीदवार घोषित होने के बाद उनके राजनीतिक सफर से जुड़े कई पुराने प्रसंग भी चर्चा में हैं। इनमें भाजपा के नए कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ उनकी पुरानी मित्रता भी शामिल है। वर्ष 2010 से 2013 के दौरान जब नितिन नवीन भारतीय जनता युवा मोर्चा के मध्य प्रदेश प्रभारी थे, तब रजनीश अग्रवाल युवा मोर्चा में प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इसी दौरान दोनों नेताओं के बीच गहरा आत्मीय संबंध बना। वर्ष 2011 में रजनीश अग्रवाल के विवाह समारोह में शामिल होने के लिए नितिन नवीन विशेष रूप से पटना से भोपाल पहुंचे थे। भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच आज भी यह प्रसंग चर्चा में रहता है कि उन्होंने मजाक में किए गए वादे को निभाते हुए रजनीश अग्रवाल को घोड़ी पर चढ़ाने की रस्म में भी भाग लिया था।

संगठन में मजबूत पकड़, स्वभाव सरल

रजनीश अग्रवाल को भाजपा के उन नेताओं में माना जाता है, जिन्होंने बिना किसी बड़े जनप्रतिनिधि पद पर रहे संगठन में लगातार काम किया। प्रदेशभर में कार्यकर्ताओं के साथ उनका मजबूत संपर्क रहा है। पार्टी के विभिन्न अभियानों, सदस्यता विस्तार कार्यक्रमों और चुनावी रणनीतियों में उनकी सक्रिय भूमिका रही है। उनका स्वभाव भी सरल है।

भाजपा का स्पष्ट संदेश- जमीनी कार्यकर्ता सर्वोच्च प्राथमिकता

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि रजनीश अग्रवाल को राज्यसभा उम्मीदवार बनाकर भाजपा ने संगठन और जमीनी कार्यकर्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संदेश दिया है। पार्टी ने यह संकेत दिया है कि वर्षों तक संगठन में काम करने वाले नेताओं को उचित सम्मान और अवसर दिया जाएगा। यह फैसला उन हजारों कार्यकर्ताओं के लिए भी प्रेरणा माना जा रहा है, जो बिना किसी पद की अपेक्षा के संगठन के लिए लगातार काम करते हैं। मध्य प्रदेश विधानसभा में भाजपा विधायकों की संख्या को देखते हुए रजनीश अग्रवाल का राज्यसभा पहुंचना लगभग तय माना जा रहा है।

सड़क सुरक्षा के लिए उठाए कदम

मप्र में ब्लैक स्पॉट्स पर सुधार का दिखा असर, घटी सड़क दुर्घटनाएं और मौतों की संख्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में सड़क सुरक्षा को लेकर किए जा रहे सुधारात्मक प्रयासों का सकारात्मक असर दिखाई देने लगा है। सड़क दुर्घटनाओं के लिए चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर किए गए सुधार कार्यों के बाद प्रदेश में सड़क हादसों, मौतों और घायलों की संख्या में कमी दर्ज की गई है। लोक निर्माण विभाग ने दावा किया है कि दुर्घटना-प्रवण स्थानों पर सुरक्षा उपायों को लागू करने से यह सुधार संभव हुआ है। आंकड़ों के अनुसार जनवरी से मार्च 2026 के बीच प्रदेश में 15,278 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जबकि वर्ष 2025 की समान अवधि में यह संख्या 16,006 थी। इसी प्रकार सड़क हादसों में जान गंवाने वालों की संख्या 4,251 से घटकर 3,901 रह गई। घायलों की संख्या में भी कमी आई है और यह 17,160 से घटकर 16,550 दर्ज की गई।

481 ब्लैक स्पॉट्स की हुई पहचान- राज्य सरकार ने प्रदेशभर में कुल 481 ब्लैक स्पॉट्स की पहचान की है। इनमें से लगभग 35 प्रतिशत स्थानों पर सुधार कार्य पूरे किए जा चुके हैं। इन क्षेत्रों में सड़क चौड़ीकरण, खतरनाक मोड़ों का सुधार, संकेतक बोर्डों की स्थापना, रोड मार्किंग, लेन अनुशासन और स्पीड कंट्रोल जैसे उपाय किए गए हैं।

2027 तक अधिकांश कार्य पूरे करने का लक्ष्य

वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार बड़े और जटिल ब्लैक स्पॉट्स के लिए दीर्घकालिक योजनाओं पर काम जारी है। शेष दुर्घटना-प्रवण स्थानों पर भी चरणबद्ध तरीके से सुधार कार्य किए जा रहे हैं। विभाग ने मार्च 2027 तक अधिकांश ब्लैक स्पॉट्स पर आवश्यक सुधार पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

सड़क सुरक्षा पर सरकार का फोकस

मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक में भी सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को दुर्घटना-प्रवण क्षेत्रों की नियमित निगरानी और अतिरिक्त सुरक्षा उपाय लागू करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि सड़क हादसों में और कमी लाई जा सके।

21 जून को कूनो नेशनल पार्क आएंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

ग्वालियर। कूनो नेशनल पार्क में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु जून माह में मध्य प्रदेश के प्रवास के दौरान कूनो नेशनल पार्क की विजिट भी शामिल हैं जिसके तहत राष्ट्रपति 21 जून को कूनो नेशनल पार्क पहुंचेंगी और रात्रि विश्राम कर अगले दिन 22 जून को कूनो में विजिट करेंगी और कार्यक्रम में शामिल होंगी। यहां राष्ट्रपति का 45 मिनट का कार्यक्रम तय है। कूनो में बोत्सवाना से आए चीतों में शेष चीतों को भी कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति के हाथों रिलीज कराया जा सकता है। बोत्सवाना से जब भारत भेजने के लिए चीते चयनित किए गए थे, उस समय चीते प्रतीकात्मक रूप से राष्ट्रपति को ही सौंपे गए थे।

बाल आयोग की जांच में मदरसे से बालिकाएं गायब

रिकॉर्ड में 37 छात्राएं, कमरों में मिला 100 का सामान

मंदसौर, दोपहर मेट्रो

जिले के ग्राम बादाखेड़ी में संचालित एक मदरसा और उसके परिसर में संचालित कन्या विद्यालय में बालिकाओं की शिक्षा एवं आवासीय व्यवस्था को लेकर गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। मध्य प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष निवेदिता शर्मा के निरीक्षण में कई ऐसे तथ्य उजागर हुए हैं, जिन्होंने संस्थान के संचालन और रिकार्ड की पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आयोग ने प्रारंभिक जांच के आधार पर जिला शिक्षा विभाग को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को आयोग अध्यक्ष ने ग्राम बादाखेड़ी स्थित दारुल उलूम अहले सुन्नवत मोईनिया फैजान ए गरीब नवाज मदरसे और उसी परिसर में संचालित मोइनिया गर्ल्स स्कूल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि विद्यालय को मध्य प्रदेश बोर्ड से केवल कक्षा छह से आठ तक संचालन की मान्यता प्राप्त है, जबकि परिसर में तीसरी से 12वीं कक्षा तक की पुस्तकों का उपयोग होने के संकेत मिले। आयोग अध्यक्ष के अनुसार, ऑनलाइन रिकॉर्ड में 37 छात्राओं का पंजीयन दर्ज है, जबकि स्कूल के स्कालर रजिस्टर में 76 छात्राओं के नाम पाए गए। वहीं परिसर के कमरों में बड़ी संख्या में स्कूल बैग, लगेज और अन्य सामग्री मिली, जिससे वहां कहीं अधिक छात्राओं के रहने की संभावना व्यक्त की गई। निरीक्षण के दौरान संस्थान प्रबंधन की ओर से कोई जिम्मेदार अधिकारी उपस्थित नहीं मिला और छात्राओं के संबंध में मांगे गए दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं किए जा सके।

बिना अनुमति उच्च कक्षाओं का संचालन

निरीक्षण के दौरान छात्राओं के सामान में कक्षा तीन से 12वीं तक की पुस्तकें मिलीं। इससे यह आशंका व्यक्त की गई कि संस्थान में स्वीकृत कक्षाओं से अधिक स्तर की पढ़ाई कराई जा रही है। मदरसा बोर्ड से मान्यता संबंधी स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। परिसर में कोचिंग गतिविधियों और आवासीय व्यवस्था को लेकर भी कई प्रश्न सामने आए हैं। विस्तृत जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

छात्राओं की पहचान और रिकॉर्ड पर सवाल

निरीक्षण दल ने छात्राओं के व्यक्तिगत रिकार्ड, अभिभावकों की जानकारी, पहचान पत्र, प्रवेश संबंधी दस्तावेज और आवासीय व्यवस्था से जुड़े अभिलेख मांगे, लेकिन मौके पर उपलब्ध नहीं कराए गए। यह भी स्पष्ट नहीं हो सका कि निरीक्षण के समय छात्राएं कहां थीं। आयोग ने इसे गंभीर विषय मानते हुए विस्तृत जांच की आवश्यकता बताई है।

दोपहर मेट्रो | **राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस अवार्ड के लिए हुआ चयन**

उज्जैन महाकाल मंदिर के त्रिनेत्र सिस्टम की देश में चर्चा

एआई आधारित 'त्रिनेत्र' प्रणाली को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस अवार्ड

600 से अधिक स्मार्ट कैमरों से होती है श्रद्धालुओं की निगरानी

भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा प्रबंधन में प्रभावी साबित हो रहा सिस्टम

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर परिसर में सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिए स्थापित एआई आधारित वीडियो सर्विलांस प्रणाली 'त्रिनेत्र' को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस अवार्ड के लिए चयनित किया गया है। गुरुवार को केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय द्वारा जारी 29वें ई-गवर्नेंस पुरस्कारों की सूची में महाकाल मंदिर की 'त्रिनेत्र' प्रणाली को शामिल किया गया।

श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि

उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2022 में श्री महाकाल महालोक के लोकार्पण के बाद महाकाल मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। वर्तमान में प्रतिदिन 80 हजार से एक लाख श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे हैं। श्रावण मास, विशेष तिथियों, पर्व और अवकाश के दिनों में यह संख्या और अधिक बढ़ जाती है।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा, निगरानी और भीड़ प्रबंधन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से मंदिर प्रबंध समिति ने एआई आधारित आधुनिक वीडियो सर्विलांस प्रणाली शुरू की थी, जिसे 'त्रिनेत्र' नाम दिया गया। सिस्टम से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर अधिकारी भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित कर पाते हैं। मंदिर प्रशासन के अनुसार %त्रिनेत्र% प्रणाली ने दर्शन व्यवस्था को सुगम बनाने के साथ-साथ सुरक्षा निगरानी को भी अधिक मजबूत किया है, जिसके चलते इसे राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है।

ऐसे काम करता है त्रिनेत्र सिस्टम

- ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर और श्री महाकाल महालोक परिसर में 600 से अधिक एडवांस एआई आधारित कैमरे लगाए गए हैं।
- सभी कैमरों को एक विशेष कंट्रोल रूम से जोड़ा गया है, जहां से सुरक्षाकर्मी और अधिकारी रियल-टाइम मॉनिटरिंग करते हैं।
- यह प्रणाली श्रद्धालुओं की संख्या, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और प्रतिबंधित स्थानों में होने वाली गतिविधियों की सटीक जानकारी उपलब्ध कराती है।

लापरवाही की आग

हर बड़ी त्रासदी अपने पीछे कुछ राख छोड़ जाती है और कुछ सवाल। राख समय के साथ उड़ जाती है, लेकिन सवाल लंबे समय तक समाज और व्यवस्था का पीछा करते रहते हैं। मालवीय नगर अग्निकांड भी ऐसा ही एक हादसा है, जिसने केवल लोगों की जान नहीं ली, बल्कि हमारी प्रशासनिक सतर्कता, सुरक्षा संस्कृति और जवाबदेही की वास्तविक तस्वीर भी सामने रख दी। जब किसी भवन में आग लगती है तो लपटें केवल दीवारों को नहीं घेरतीं, वे उन लापरवाहियों को भी उजागर करती हैं जिन्हें वर्षों तक नजरअंदाज किया जाता रहा हो। इस घटना के बाद सामने आ रहे तथ्य बताते हैं कि यह केवल दुर्भाग्य का परिणाम नहीं था। इसके पीछे नियमों की अनदेखी, निगरानी की कमजोरी और सुरक्षा मानकों के प्रति उदासीनता की एक लंबी कहानी छिपी दिखाई देती है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जिस परिसर को सीमित उपयोग की अनुमति मिली थी, वह धीरे-धीरे एक बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान में कैसे बदल गया? यदि निर्माण और संचालन निर्धारित दायरे से आगे बढ़ रहे थे तो संबंधित विभागों की निगरानी व्यवस्था कहां थी? क्या निरीक्षण केवल कागजों तक सीमित रह गए थे, या फिर व्यवस्था ने जानबूझकर आंखें मूंद ली थीं हादसे के बाद यह भी स्पष्ट हुआ कि भवन की संरचना आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त नहीं थी। जब किसी इमारत में लोगों के सुरक्षित बाहर निकलने के रास्ते सीमित हों, वेंटिलेशन की उचित व्यवस्था न हो और आग लगने पर धुआं बाहर निकलने के बजाय भीतर भरने लगे, तब वह भवन आश्रय नहीं, एक संभावित जाल बन जाता है। दुर्भाग्य यह है कि यह सच्चाई तब सामने आई जब बहुत देर हो चुकी थी। अग्नि सुरक्षा को लेकर भी कई सवाल खड़े हुए हैं। हमारे शहरों में अक्सर सुरक्षा नियमों को औपचारिकता समझ लिया जाता है। अग्निशमन उपकरण दीवारों पर टंगे रहते हैं, लेकिन उनकी कार्यक्षमता कोई नहीं जांचता। आपातकालीन निकास बनाए जाते हैं, लेकिन उनका उपयोग दूसरे कामों में होने लगता है। जब तक सब कुछ सामान्य रहता है, ये कमियां दिखाई नहीं देतीं। लेकिन संकट के क्षण में यही छोटी-छोटी चूकें जानलेवा साबित होती हैं। हमारे यहां अक्सर हादसों के बाद जांच होती है, जिम्मेदारियां तय होती हैं और कुछ समय तक सख्ती भी दिखाई देती है। फिर धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य हो जाता है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष

विकास की दौड़ में दम तोड़ता पर्यावरण भयावह होती असंतुलन की खाई

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

भा पर्यावरण प्रदूषण वर्तमान समय में सबसे बड़ी वैश्विक समस्या है। पिछले तीन दशकों से महसूस किया जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी समस्या पर्यावरण से ही जुड़ी है। मानवीय क्रियाकलापों के कारण प्रकृति में लगातार बढ़ते दखल के कारण पृथ्वी पर बहुत से प्राकृतिक संसाधनों का विनाश हुआ है। आधुनिक जीवनशैली, पृथ्वी पर पेड़-पौधों की कमी, पर्यावरण प्रदूषण का विकराल रूप, मानव द्वारा प्रकृति का बेदर्दी से दोहन इत्यादि कारणों से मानव और प्रकृति के बीच असंतुलन की भयावह खाई उत्पन्न हो रही है। जलवायु परिवर्तन और प्रदूषित वातावरण के बढ़ते खतरे हम अब लगातार अनुभव कर रहे हैं। इसीलिए पर्यावरण की सुरक्षा तथा संरक्षण के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 5 जून को पूरी दुनिया में 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा तथा संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) द्वारा 16 जून 1972 को स्टॉकहोम में पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने के लिए यह दिवस मनाने की घोषणा की गई थी और पहला विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 1974 को मनाया गया था। विश्व पर्यावरण दिवस का वर्ष 2026 का विषय 'प्रकृति से प्रेरित। जलवायु के लिए। हमारे भविष्य के लिए।' पर्यावरण की रक्षा और प्रकृति के उचित दोहन को लेकर हालांकि यूरोप, अमेरिका तथा अफ्रीकी देशों में 1910 के दशक से ही समझौतों की शुरूआत हो गई थी किन्तु बीते कुछ दशकों में दुनिया के कई देशों ने इसे लेकर क्योटो प्रोटोकाल, मांट्रियल प्रोटोकाल, रियो सम्मलेन जैसे कई बहुराष्ट्रीय समझौते किए हैं। अधिकांश देशों की सरकारें पर्यावरण को लेकर चिंतित तो दिखती हैं लेकिन पर्यावरण की चिंता के बीच कुछ देश अपने हितों को देखते हुए पर्यावरण संरक्षण की नीतियों में बदलाव करते रहे हैं। प्रदूषित वातावरण का खामियाजा केवल मनुष्यों को ही नहीं बल्कि धरती पर विद्यमान प्रत्येक प्राणी को भुगतना पड़ता है। बड़े पैमाने पर प्रकृति से खिलवाड़ के ही कारण दुनिया के विशालकाय जंगल हर साल सुलगने लगे हैं, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को खरबों रुपये का नुकसान होने के अलावा दुर्लभ जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियां भी भीषण आग में जलकर राख हो जाती हैं। कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान दुनियाभर में पर्यावरण की स्थिति में सुधार देखा गया था, जिसने बता दिया था कि अगर हम चाहें तो पर्यावरण की स्थिति में काफी हद तक सुधार किया जा सकता है लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति के अभाव में पर्यावरण संरक्षण को लेकर अपेक्षित कदम नहीं उठाए जाते। न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में निरन्तर हो रही बढ़ोतरी और मौसम का लगातार बिगड़ता मिजाज गहन चिंता का विषय बना है। जलवायु परिवर्तन से निपटने को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह स्पष्ट किया है कि धरती में रह-रहकर जो उथल-पुथल की प्राकृतिक घटनाएं घट रही हैं, उनके पीछे छिपे संकेतों और प्रकृति की मूक भाषा को समझना कितना जरूरी है। आधुनिकरण और औद्योगिकीकरण की दौड़ में हमने हर पल प्रकृति की नैतिक सीमाओं का उल्लंघन किया है और ये सब प्रकृति के साथ इंसान की ज्यादतियों का ही नतीजा हैं, जिसके भयावह परिणाम हमारे सामने हैं। मानवीय क्रियाकलापों के कारण ही वायुमंडल में कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन, ओजोन और पार्टिक्यूलेट मैटर के प्रदूषण का मिश्रण इतने खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है कि हमें सांस के जरिये असाध्य बीमारियों की सौगात मिल रही है। सीवरेज की गंदगी स्वच्छ जल स्त्रोतों में छोड़ने की बात हो या औद्योगिक इकाईयों का अम्लीय कचरा नदियों में बहाने की अथवा सड़कों पर रेंगती वाहनों की लंबी-लंबी कतारों से वायुमंडल में घुलते जहर की या फिर सख्त अदालती निर्देशों के बावजूद खेतों में जलती पराली से हवा में घुलते हजारों-लाखों टन धुएं की, हमारी आंखें तब तक नहीं खुलती, जब तक प्रकृति का बड़ा कहर हम पर नहीं टूट पड़ता। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील कर दिया गया है। धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिसके दुष्परिणाम स्वरूप ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें निरन्तर चेतावनियां देती रही है कि यदि हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है लेकिन हम हर बार प्रकृति का प्रचण्ड रूप देखने के बावजूद प्रकृति की इन चेतावनियों को नजरअंदाज कर खुद अपने विनाश को आमंत्रित कर रहे हैं। यदि दुनियाभर में पर्यावरण प्रदूषण की विकराल होती वैश्विक समस्या को देखें तो स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे शायद हम कुछ करना ही नहीं चाहते। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक' में बताया गया है कि पर्यावरण का संतुलन डगमगाने के कारण दुनियाभर में लोग तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फंस रहे हैं, उनकी प्रजनन क्षमता पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है, उनकी कार्यक्षमता भी इससे प्रभावित हो रही है। लोगों की कमाई का बड़ा हिस्सा बीमारियों के इलाज पर ही खर्च हो जाता है। प्रकृति हमारी मां के समान है, जो हमें अपने प्राकृतिक खजाने से ढ़ेरों बहुमूल्य चीजें प्रदान करती है लेकिन अपने स्वार्थों के चलते हम अगर खुद को ही प्रकृति का स्वामी समझने की भूल करने लगे हैं तो फिर भला प्राकृतिक तबाही के लिए प्रकृति को कैसे दोषी ठहरा सकते हैं?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जनता से दूर होने पर सत्ता से बाहर का जनादेश तय, संघर्ष हो पर राष्ट्रहित सर्वोपरि रहे

भूपेन्द्र शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

माखी गुड़ में गड़ि रहे, पंख रह्यौ लिपटाय।
हाथ मले और सिर धुने, लालच बुरी बलाय॥

संत कबीरदासजी की यह पंक्ति केवल व्यक्तिगत जीवन पर ही नहीं, राजनीति पर भी समान रूप से लागू होती है। गुड़ खाने के मोह में उस पर बैठ फंसी मक्खी की तरह जब कोई व्यक्ति, दल या नेता सत्ता के आकर्षण में इतना डूब जाता है कि उसे अपने कर्तव्यों, मर्यादाओं और जनता के विश्वास का भान नहीं रहता, तब अंततः उसे राजनीतिक और नैतिक दोनों स्तरों पर भारी मूल्य चुकाना पड़ता है। भारतीय लोकतंत्र के वर्तमान परिदृश्य को देखें, तो संत कबीर की यह वाणी प्रासंगिक प्रतीत होती है। आज देश के राजनीतिक एवं सामाजिक वातावरण को लेकर व्यापक चिंता व्यक्त की जा रही है। राजनीतिक विमर्श में शालीनता घट रही है, सार्वजनिक बहसों में तथ्य कम, आरोप-प्रत्यारोप अधिक दिखाई देते हैं तथा अनेक राजनीतिक दलों के प्रवक्ताओं एवं नेताओं की भाषा समाज को जोड़ने के बजाय विभाजित करने वाली होती है। यह स्थिति किसी एक दल, विचारधारा या प्रदेश तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति की एक व्यापक परंपरा बनती जा रही है। लोकतंत्र में सत्ता जनता की अमानत होती है, किसी दल की निजी संपत्ति नहीं, किंतु अक्सर देखा जाता है कि लंबे समय तक सत्ता में रहने वाले दल स्वयं को जनता से ऊपर समझने लगते हैं। सत्ता का निरंतर उपभोग आत्म-मुग्धता को जन्म देता है और आत्मालोचन की क्षमता कम होने लगती है। राजनीतिक चिंतक लॉर्ड एक्टन का प्रसिद्ध कथन है- (पॉवर टेंड्स टू करप्ट एंड एब्सॉल्यूट पॉवर करप्ट्स एब्सॉल्यूटली) सत्ता भ्रष्ट करने की प्रवृत्ति रखती है तथा निरंकुश सत्ता पूर्णतः भ्रष्ट कर सकती है। देश के सामाजिक वातावरण पर राजनीति का सबसे अधिक प्रभाव नेताओं की भाषा से पड़ता है। लोकतंत्र में तीखी आलोचना स्वीकार्य है, किंतु अशिष्टता, व्यक्तिगत आक्षेप और सामाजिक वैमनस्यता बढ़ाने वाले वक्तव्य लोकतांत्रिक संस्कृति को दुर्बल करते हैं। राजनीतिक दलों के अनेक प्रवक्ताओं के टीवी डिबेट, सोशल मीडिया पोस्ट और सार्वजनिक भाषणों को देखें, तो यह चिंता स्वाभाविक लगती है कि राजनीतिक बहस का स्तर लगातार गिर रहा है। विशेष रूप से विपक्ष की ओर से कई बार ऐसी टिप्पणियां सामने आती हैं, जो लोकतांत्रिक मर्यादा के अनुरूप नहीं कही जा सकतीं। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था- 'लोकतंत्र की सफलता केवल संस्थाओं पर निर्भर नहीं करती, बल्कि राजनीतिक संस्कृति पर भी निर्भर करती है। यदि भाषा और व्यवहार में संयम समाप्त हो जाए, तो संस्थाएं भी दबाव में आ जाती हैं।' आज राजनीति में विरोधी दलों में स्वयं को वैचारिक प्रतिद्वंद्वी के बजाय शत्रु के रूप में प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति बढ़ी है। इसका सीधा प्रभाव समाज पर पड़ता है। समर्थक वर्ग भी उसी प्रकार की भाषा अपनाने लगता है और सामाजिक संवाद विषाक्त होने लगता है। भारत विविधताओं का देश है। यहां धर्म, जाति, भाषा और संस्कृति की अनेक धाराएं हैं। लोकतंत्र में इन समूहों का प्रतिनिधित्व आवश्यक है, किंतु जब पहचान राजनीति का एकमात्र आधार बन जाती है, तो सामाजिक एकता प्रभावित होती है। कई राज्यों में राजनीतिक विमर्श जातीय या धार्मिक पहचान के इर्द-गिर्द घूमता दिखाई देता है। चुनावी लाभ के लिए समुदायों को अलग-अलग खेमों में बांटने का प्रयास किया जाता है। इससे नागरिकों की प्राथमिक पहचान भारतीय होने के बजाय किसी विशेष समूह तक सीमित होने लगती है। राजनीतिक वैज्ञानिक राजनी कोठारी ने अपनी पुस्तक 'पॉलिटिक्स इन इंडिया' में चेतावनी दी थी कि यदि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा सामाजिक विभाजनों को अत्यधिक उभारने लगे, तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया समाज को जोड़ने के बजाय तोड़ने का माध्यम बन सकती है। हाल के वर्षों में निरंतर सनातन धर्म, धार्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक प्रतीकों को लेकर कई विवाद सामने आए हैं। कुछ राजनीतिक नेताओं के वक्तव्यों को लेकर व्यापक आलोचना हुई और समाज के एक बड़े वर्ग ने उन्हें अपनी आस्था पर आघात के रूप में देखा। यह तथ्य है कि भारत में करोड़ों लोगों की धार्मिक आस्थाएं उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। इसलिए किसी भी धर्म, परंपरा या समुदाय के प्रति अपमानजनक टिप्पणी सामाजिक तनाव को जन्म दे सकती है। दूसरी ओर लोकतंत्र में आलोचना और विमर्श की भी स्वतंत्रता होती है। चुनौती यह है कि आलोचना और अपमान के बीच की रेखा को समझा जाए। एक जिम्मेदार राजनीतिक नेतृत्व का दायित्व है कि वह समाज की संवेदनशीलताओं का सम्मान करे और ऐसी भाषा से बचे, जिससे अनावश्यक टकराव उत्पन्न हो। देश के विभिन्न राज्यों में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कई बार वैचारिक संघर्ष का रूप ले लेती है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और अन्य राज्यों में समय-समय पर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोपों ने राष्ट्रीय स्तर पर बहस को प्रभावित किया है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

हेल्थ अपडेट

सिर्फ हड्डियों ही नहीं, शुगर लेवल को भी प्रभावित करती है विटामिन डी की कमी

आजकल विटामिन डी की कमी एक आम स्वास्थ्य समस्या बन चुकी है। पहले इसे केवल हड्डियों और कैल्शियम से संबंधित माना जाता था, लेकिन अब कई रिसर्च में यह सामने आया है कि विटामिन डी की कमी शरीर के शुगर मेटाबॉलिज्म को भी प्रभावित कर सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि लंबे समय तक विटामिन डी का स्तर कम रहने से टाइप-2 डायबिटीज का खतरा भी बढ़ सकता है। भारत में बड़ी संख्या में लोग पर्याप्त धूप नहीं लेते, जिसके कारण शरीर में विटामिन डी की कमी हो जाती है। लंबे समय तक विटामिन डी की कमी के कारण, आंतों द्वारा कैल्शियम और फास्फोरस के अवशोषण में कमी आती है, जिससे हाइपोकैल्सीमिया हो जाता है। इसके परिणामस्वरूप व्यक्ति को सेकेंडरी हाइपरपैराथायरायडिज्म का जोखिम भी बढ़ जाता है। यही वजह है कि विटामिन डी शरीर के कई कार्यों के लिए आवश्यक माना जाता है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि विटामिन डी और डायबिटीज के बीच क्या संबंध है और इसकी कमी को कैसे दूर किया जा सकता है।

बीएससी जनरल की एक रिपोर्ट के अनुसार विटामिन डी केवल व्यक्तियों की हड्डियों तक ही सीमित नहीं होता है, बल्कि यह इंसुलिन की प्रक्रिया के लिए भी सहायक होता है। इंसुलिन शरीर के ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करती है। ऐसे में कहा जा सकता है कि जिन लोगों को विटामिन डी की कमी होती है, उनमें इंसुलिन रेजिस्टेंस की वजह से या इंसुलिन के सही कार्य न कर पाने की वजह से टाइप 2 डायबिटीज का जोखिम बढ़ सकता है। क्लिवलैंड क्लीनिक के अनुसार की विटामिन डी की कमी को दूर करने के लिए आप रोजाना सुबह 6 से 8 के बीच करीब 20 से 30 मिनट धूप में बैठें या वॉक करें। इसके अलावा डाइट में अंडे, मशरुम, फैटी फिश, दही और दूध को शामिल कर सकते हैं। नियमित रूप से एक्सरसाइज करें। आप इसमें जॉगिंग, ब्रिस्क वॉक, योगासन जैसे मंडूकासन आदि को शामिल कर सकते हैं। डॉक्टर की सलाह पर विटामिन डी सप्लीमेंट्स का सेवन भी कर सकते हैं। बिना डॉक्टर की सलाह के विटामिन डी सप्लीमेंट्स लेने से आपको अन्य समस्याओं का जोखिम हो सकता है। अगर आपको लंबे समय से कमजोरी, थकान या हाई ब्लड शुगर की समस्या है तो 25टेस्ट करवाना उपयोगी हो सकता है। विटामिन डी की कमी और डायबिटीज के बीच संबंध को लेकर कई रिसर्च सामने आ चुकी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि लो विटामिन डी लेवल इंसुलिन रेजिस्टेंस और ब्लड शुगर नियंत्रण को प्रभावित कर सकता है। हालांकि केवल विटामिन डी की कमी को डायबिटीज का एकमात्र कारण नहीं माना जा सकता।

निशाना

महलों के ख्वाब देखने से..!

अनिल कुमार साकेत

शौक है रखने का अगर, सिर पर राजा का ताज,
तो गुलाम बनकर झोंक दो, खुद को तुम आज।
महलों के ख्वाब देखने से, मंजिल् नहीं मिलती,
बिना पसीने की बूंद के, किस्मत नहीं खिलती।
जो सहता है धूप कड़ी, वही छांव पाता है,
जो घिसता है खुद को यहाँ, वो हीरा कहलाता है।
बिस्तर के आराम को, जरा भूलना होगा,
मेहनत की इस भट्टी में, तुमको झुलसना होगा।
हुक्म चलाने का मज़ा, तभी असल में आएगा,
जब तेरी जी-तोड़ मेहनत का, हर कोई लोहा मानेगा।
तो छोड़ो ये बहाने और, कमर को अपनी कस लो,
अगर बनना है शहंशाह, तो पहले गुलाम सा खट लो !

तकनो अपडेट

AC की जरूरत पूरी करेगा स्मार्ट पेंट, आ गया 97 फीसदी धूप वापस फेंकने वाला फॉर्मूला

अगर आप भी भभकती गर्मी से बचने का एक मात्र तरीका एयरकंडीशनर को समझते हैं, तो अब जान लें कि वैज्ञानिकों ने ऐसा स्मार्ट पेंट बनाया है, जो ऐसी की जरूरत को पूरा कर सकेगा। यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी के रिसर्चर्स ने ड्यूपॉइंट इनोवेशंस नाम के एक स्टार्टअप के साथ मिलकर ऐसा स्मार्ट पेंट तैयार किया है जो न सिर्फ घर का तापमान घटा सकेगा बल्कि पानी की किल्लत को भी दूर करेगा। इस पेंट की खासियत है कि यह 97 फीसदी धूप को रिफ्लेक्ट यानी कि वापस फेंक सकेगा। इसके अलावा यह पेंट बिना किसी बिजली के हवा की नमी को सोंखकर पानी में बदल सकता है। वैज्ञानिकों ने यह पेंट एक खास पॉलीमर से बनाया है, जिसकी खासियत है कि इसमें छोटे-छोटे छेद पाए जाते हैं। इसकी वजह से यह पेंट पैसिव डेकटाइम रेडिएटिव कूलिंग तकनीकपर काम कर पाता है। आसान भाषा में कहें, तो यह पेंट सूरज की गर्मी को सोखकर वापस ब्रह्मांड में भेज देता है। इस पेंट की टेस्टिंग में पाया गया है कि इस पेंट को लगाने से छत 25 डिग्री सेल्सियस तक और आसपास की हवा से 6 डिग्री सेल्सियत तक ज्यादा ठंडी रहती है। इससे घर के अंदर गर्मी नहीं पहुंच पाती और इससे या तो ऐसी की जरूरत रहती ही नही या फिर ऐसी पर पड़ने वाला लोड बेहद कम हो जाता है।

गर्मी में दूर करेगा पानी की किल्लत: इस पेंट की खासियत सिर्फ इतनी नहीं है कि यह छत के तापमान को कम रखता है बल्कि यह बिना पावर सोर्य या बिजली के भी हवा से पानी को सोंख सकता है। दरअसल क्योंकि इस पेंट की सतह आसपास की हवा से ज्यादा ठंडी रहती है इसलिए हवा में मौजूद नमी इस पर आकर अपने आप पानी की बूंदों में बदल जाती है। इसे आप कुछ-कुछ वैसा ही समझ सकते हैं जैसे कि सुबह-सुबह घास पर ओस जमती है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि यह पेंट प्रति वर्ग मीटर सतह से रोजाना लगभग 390 मिलीलीटर तक पानी इकट्ठा कर सकता है, जो पानी की कमी वाले इलाकों के लिए वरदान बन सकता है।

भारत जैसे देशों के लिए गेमचेंजर: भारत जैसे देश में जहां रिकॉर्डतोड़ गर्मी पड़ती है और लोग पानी का संकट भी झेलते हैं, वहां यह तकनीक गेमचेंजर साबित हो सकती है। इसे मकानों, दफ्तरों और ग्रामीण इलाकों में भी आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि यह पेंट अभी बाजार में बिकने के लिए उपलब्ध नहीं है। ऑस्ट्रेलिया में इस पेंट पर कड़े परीक्षण किए जा रहे हैं और इसे किसी भी आम पेंट की तरह रोलर या स्प्रे से दीवारों पर लगाया जा सकेगा। संभव है कि यह पेंट आने वाले समय में बड़ी राहत साबित हो।

अजब - गजब

एक घर में रहती हैं एक ही पति की 39 विधवाएं मिलकर रखती हैं 94 बच्चों का ख्याल

भारत की विविधता और अनोखी परंपराओं की कहानियां कभी-कभी हैरान कर देती है। ऐसा ही एक परिवार है मिजोरम राज्य के बकतावंग गांव में रहने वाला जियोना परिवार, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा परिवार माना जाता है। इस परिवार के मुखिया ज़ियोना चंग ने 39 महिलाओं से विवाह किया था। उनकी मृत्यु के बाद अब 39 विधवाएं एक ही विशाल घर में रह रही हैं और मिलकर 94 बच्चों की परवरिश कर रही हैं। ज़ियोना परिवार की कहानी पूरे विश्व में चर्चित रही है। ज़ियोना चंग एक धार्मिक नेता थे और उनकी मान्यता के अनुसार उन्होंने कई विवाह किए थे। उनके परिवार में कुल मिलाकर सैकड़ों सदस्य हैं। पत्नियां, बच्चे, पोते-पोतियां समेत परिवार की संख्या 180 से ज्यादा बताई जाती है।

आज भी एक साथ है परिवार: पूरा परिवार एक ही बड़े घर में रहता है, जहां अलग-अलग कमरे बने हैं। ज़ियोना चंग की मृत्यु के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनकी विधवाओं और बड़े बच्चों पर आ गई है। आश्चर्य की बात यह है कि 39 सौतनें आज भी एक दूसरे के साथ बेहद प्रेम और समझदारी से रह रही हैं। वे बच्चों की देखभाल, घरेलू कामकाज और परिवार की परंपराओं को संभाल रही हैं। परिवार के सदस्य बताते हैं कि पिता की मृत्यु के बाद भी घर में एकता बनी हुई है। यह परिवार अपनी अनोखी जीवनशैली के लिए प्रसिद्ध है। घर इतना बड़ा है कि इसमें कई रसोई, शयनकक्ष और सामुदायिक जगहें हैं। परिवार के सभी सदस्य मिलकर खेती-बाड़ी, पशुपालन और छोटे-मोटे काम करते हैं। बच्चों की शिक्षा और देखभाल में सभी माताएं साथ देती हैं।

बनाया है वर्ल्ड रिकॉर्ड: मिजोरम के इस परिवार ने कई बार गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में जगह बनाने का दावा किया है। एक समय में इस परिवार को दुनिया का सबसे बड़ा परिवार माना जाता था। ज़ियोना चंग ने खुद को ईश्वर का दूत बताते हुए कई विवाह किए थे। उनकी पत्नियों ने भी इस व्यवस्था को स्वीकार किया और परिवार को आगे बढ़ाया। पति की मृत्यु के बाद परिवार पर कई चुनौतियां आईं, लेकिन 39 विधवाओं ने हिम्मत नहीं हार। वे बच्चों को प्यार और अनुशासन के साथ बड़ा कर रही हैं। परिवार के सदस्य कहते हैं कि ÷हमारे पिता की इच्छा थी कि हम सब एक साथ रहें, इसलिए हम उनकी विरासत को संभाल रहे हैं। ÷ सोशल मीडिया पर जब इस परिवार की तस्वीरें और वीडियो वायरल होते हैं तो लोग हैरानी जताते हैं. कोई इसे अनोखा उदाहरण मानता है तो कोई आधुनिक समय में इस प्रथा पर सवाल उठाता है। फिर भी परिवार की एकता और आपसी प्रेम को लोग सराहते हैं।

न्यूज विंडो

कांग्रेस ने किया सड़क के गड्ढों का विधिवत पूजन, जताया आक्रोश

गंजबासौदा। नगर की जर्जर सड़कों और जगह-जगह बने गड्ढों को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस जनों द्वारा सड़कों पर बने गड्ढों का विधिवत पूजन कर धूप, दीप, अगरबत्ती और फूल अर्पित किए गए तथा प्रतीकात्मक रूप से पुष्पांजलि भी अर्पित की गई। प्रदर्शन के दौरान नगर के नगरीय प्रशासन के अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध दर्ज कराया गया। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि नगर की सड़कों की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यदि शीघ्र ही सड़कों की मरम्मत और सुधार कार्य नहीं किया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। इस अवसर पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव विकास शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुनील पिंगला, बीडी शर्मा, प्रतिपक्ष नेता जगदीश व्यास, रवि यादव, नितिन दुबे, बृजेश लोधी, हरीश भावसार, मनी अहिरवार, गौरव शर्मा, मिथुन पालीवाल सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे और उन्होंने अपना विरोध प्रकट किया।

पिकनिक मनाने पहुंचे तीन युवकों में से एक की देनवा नदी में डूबने से मौत

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा के झिरपा स्थित देनवा नदी के भंडारदोह में पिकनिक मनाने आए पिपरिया के तीन युवकों में से एक युवक की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान पिपरिया निवासी आयुष रघुवंशी के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मामले की सूचना मिलते ही माहुलझिर पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को अभिरक्षा में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी

डिंडोरी। डिंडोरी में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल तीसरे दिन भी जारी रही। कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर सरकार की सद्बुद्धि के लिए वटवृक्ष के नीचे बैठकर रामायण का पाठ किया और आरती की। संघ ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगों का निराकरण नहीं हो जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। चौथे दिन कर्मचारी सोशल मीडिया पर अभियान चलाकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

कटनी में कांग्रेसियों का नगर निगम के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन

कटनी। कटनी में कांग्रेस सेवा दल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नगर निगम मुख्यालय के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन फॉरेस्टर वार्ड क्रमांक 32 में लंबे समय से जारी पेयजल संकट के विरोध में किया गया। प्रदर्शनकारियों ने नगर निगम प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और मुख्य द्वार पर मटके फोड़कर अपना विरोध दर्ज कराया। बाद में, कार्यकर्ताओं ने नगर निगम आयुक्त को एक ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द व्यवस्था सुधारने की मांग की है।

नरसिंहपुर के करेली क्षेत्र स्थित गुड़ भट्टी में लगी आग

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर जिले के करेली थाना क्षेत्र के इमलिया गांव में देर रात करीब 10 बजे एनएच-44 किनारे स्थित एक गुड़ भट्टी में आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग तेजी से फैली, जिससे गुड़ भट्टी का टीन शेड और गुड़ निर्माण में उपयोग होने वाली सामग्री जलकर नष्ट हो गई।घटना की सूचना मिलते ही करेली नगरपालिका की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने आग बुझाने का अभियान चलाया और उस पर काबू पाया।

देवास जिले के टोंकखुर्द की घटना, वीडियो हुआ वायरल

रेत के ढेर से निकलने को लेकर विवाद, दो पक्षों में जमकर मारपीट, कई लोग घायल

देवास। दोपहर मेट्रो

जिले के टोंकखुर्द क्षेत्र में गत दिवस देर शाम मामूली विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। रेत के ढेर के पास से निकलने को लेकर दो पक्षों के बीच शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते मारपीट में तब्दील हो गई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला किया। घटना में एक पक्ष के छह से सात लोग घायल हो गए, जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार, टोंकखुर्द क्षेत्र में रेत के ढेर के पास से निकलने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद शुरू हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पहले दोनों पक्षों में कहासुनी हुई, लेकिन कुछ ही देर में मामला इतना बढ़ गया कि दोनों ओर के लोग आमने-सामने आ गए। इस दौरान लाठी-डंडों और पत्थरों का खुलकर इस्तेमाल किया गया, जिससे इलाके में अफरातफरी मच गई।

घायलों को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को बेहतर इलाज के लिए

अमलतास अस्पताल रेफर किया गया है। घायलों में महिलाओं को भी चोटें आई हैं। चिकित्सकों की निगरानी में सभी का उपचार जारी है।

एक पक्ष के जाहिद खान ने आरोप लगाया कि उनके परिवार का सदस्य शाहरुख रेत के ढेर के पास से गुजर रहा था। इसी बात को लेकर दूसरे पक्ष के लोगों ने विवाद शुरू कर दिया और बाद में हमला कर दिया। उनका आरोप है कि हमलावरों ने लाठी-डंडों और पत्थरों से मारपीट की, जिससे कई लोग घायल हो गए। साथ ही कुछ वाहनों में भी तोड़फोड़ की गई, जिनमें मोटरसाइकिलें भी शामिल हैं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला करते और पत्थरबाजी करते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है। वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

शराब के नशे में पत्नी की जान ली, फिर खुद ने भी मौत को लगाया गले

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

कोयलांचल क्षेत्र के उमरेठ थाना अंतर्गत ग्राम जमतरा में घरेलू कलह और शराब की लत का एक दर्दनाक अंत सामने आया है। बुधवार-गुरुवार की दरम्यानी रात हुए घटनाक्रम में एक पति ने अपनी पत्नी की कथित तौर पर गला दबाकर हत्या कर दी और इसके कुछ ही समय बाद जहरीला पदार्थ खाकर खुद भी मौत को गले लगा लिया। सुबह जब ग्रामीणों को इस घटना की जानकारी मिली तो पूरा गांव स्तब्ध रह गया। जिस घर से रोजमर्रा की आवाजें सुनाई देती थीं, वहां मातम और चीख-पुकार का माहौल था। पुलिस के अनुसार जमतरा निवासी रविंद्र उइके मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। गांव के लोगों का कहना है कि उसे शराब पीने की गंभीर लत थी और इसी कारण घर में आए दिन विवाद होते रहते थे। उसकी पत्नी पूजा उइके कई बार घरेलू हिंसा का शिकार हुई, लेकिन परिवार और समाज की मर्यादा के चलते मामला कभी थाने तक नहीं पहुंचा। ग्रामीणों के मुताबिक बुधवार शाम रविंद्र शराब के नशे में घर लौटा था। घर पहुंचते ही किसी बात को लेकर उसका पत्नी पूजा से विवाद शुरू हो गया। पहले कहासुनी हुई और फिर मामला मारपीट तक पहुंच गया। घर के भीतर हो रहे झगड़े की आवाज सुनकर उसकी मां किसनी बाई ने हस्तक्षेप किया और दोनों को शांत कराया।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियां शुरू, सेठानी घाट पर पुलिस और होमगार्ड को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

आगामी सिंहस्थ-2028 के सफल एवं सुरक्षित आयोजन को ध्यान में रखते हुए पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिले में उज्जैन सिंहस्थ से संबंधित छह-छह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को सेठानी घाट पर आपदा प्रबंधन एवं बचाव कार्यों का व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम साई कृष्ण थोटा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में आयोजित प्रशिक्षण में डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड शशिधर पिल्लई के नेतृत्व एवं सूबेदार सूरज जमरा की उपस्थिति रही। प्रशिक्षण का संचालन प्लाटून कमांडर अमृता दीक्षित एवं शिवराज चौधरी द्वारा एसडीईआरएफ टीम और होमगार्ड सैनिकों के सहयोग से किया गया। सेठानी घाट पर आयोजित प्रशिक्षण में आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विषयों पर व्याख्यान के साथ-साथ उनका लाइव डेमो एवं प्रैक्टिकल भी कराया गया। प्रतिभागियों को आग के विभिन्न प्रकार, आग बुझाने की

तकनीक, आपदा के दौरान पीड़ितों को सुरक्षित निकालने के तरीके, प्राथमिक उपचार, जल दुर्घटनाओं में बचाव कार्य, डूबने वाले व्यक्तियों को बचाने एवं उन्हें प्राथमिक उपचार देने की विधियां सिखाई गईं। इसके अलावा सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) का विशेष प्रशिक्षण देकर आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन रक्षक उपायों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य सिंहस्थ जैसे विशाल धार्मिक आयोजनों में किसी भी आपदा या आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पुलिस, होमगार्ड एवं बचाव दलों को दक्ष बनाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि सिंहस्थ में लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऐसे प्रशिक्षण भविष्य में किसी भी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

प्रशासन ने हटवाया खतरनाक बोर्ड

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

त्योंदा रोड स्थित पुरानी कृषि मंडी के मुख्य द्वार पर कई दिनों से जर्जर हालत में लटका हुआ खतरनाक बोर्ड आखिरकार प्रशासन द्वारा हटा दिया गया। इस संबंध में दोपहर मेट्रो में खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए बोर्ड को हटवाकर संभावित दुर्घटना को टाल दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार यह बोर्ड लंबे समय से जर्जर अवस्था में लटक रहा था और तेज हवा व आंधी के चलते इसके कभी भी नीचे गिरने की आशंका बनी हुई थी। मुख्य द्वार से प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिकों का आना-जाना होता है, जिससे किसी बड़े हादसे का खतरा लगातार बना हुआ था। इसी मार्ग से मंडी परिसर में थोक सब्जी की नीलामी होती है तथा फुटकर

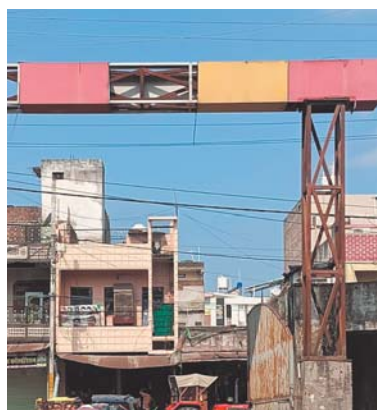

सब्जी विक्रेताओं की दुकानें भी लगती हैं, जिसके कारण सुबह से ही भारी भीड़ रहती है। ऐसे में जर्जर और असुरक्षित स्थिति में लटका यह बोर्ड लोगों की जान के लिए गंभीर खतरा बन सकता था। प्रशासन द्वारा समय रहते की गई इस कार्रवाई की स्थानीय नागरिकों ने सराहना की है और कहा कि इससे संभावित दुर्घटना टल गई।

सिरनोटा में घर से नकदी व जेवर चुरा ले गए चोर

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

ग्राम सिरनोटा में ग्रामीण बैंक के समीप निवासरत हरिसिंह अहिरवार, शिक्षक के मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने लाखों रुपये की नकदी, सोने-चांदी के जेवरात तथा बर्तन आदि सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना के समय पूरा परिवार भोपाल गया हुआ था। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित हरिसिंह अहिरवार अपने परिवार के साथ 27 मई से अपने बेटों के पास भोपाल गए हुए थे। इसी दौरान चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाते हुए मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। चोरों ने घर में रखी दो अलमारियों एवं उनके लॉकर तोड़कर लगभग 1.5 लाख रुपये नकद तथा करीब 2.5 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। इसके अलावा अन्य कमरों में रखे पीतल-कांसे के बर्तन, चांदी के बर्तन सहित कीमती सामान भी चुरा लिया गया। चोरों ने जाते समय

अलमारी में रखे आभूषणों के बिल और फर्नीचर व इलेक्ट्रॉनिक सामग्री के दस्तावेज भी अपने साथ ले लिए, जिससे किसी प्रकार के सबूत न बचें। 3 जून को जब पड़ोसियों ने घर का ताला टूटा देखा तो तत्काल इसकी सूचना गृहस्वामी एवं पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर थाना त्योंदा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड को भी मौके पर बुलाया गया। टीम द्वारा घटनास्थल से फिंगरप्रिंट सहित अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए गए हैं। इस घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं, जबकि पुलिस गश्त के बावजूद बदमाशों के हौसले बुलंद हैं। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द चोरों की गिरफ्तारी एवं रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने की मांग की है।

मेट्रो एंकर — नर्मदापुरम पुलिस की सकारात्मक अभिनव पहल

'उड़ान' से पारधी बच्चों को मिल रही नई पहचान और नई दिशा

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

समुदाय आधारित पुलिसिंग के तहत नर्मदापुरम् पुलिस की अभिनव पहल 'उड़ान' पारधी समुदाय के बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा के मार्गदर्शन में संचालित इस पहल का उद्देश्य वंचित और हाशिए पर रहने वाले समुदायों के बच्चों को शिक्षा, खेल और व्यक्तित्व विकास के अवसर प्रदान कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है।

वर्तमान में थाना सिवनी मालवा क्षेत्र के ग्राम कोटलाखेड़ी और सिवनी मालवा के 25 पारधी बच्चे रक्षित केंद्र नर्मदापुरम् में आयोजित ग्रीष्मकालीन समर कैंप में नियमित रूप से भाग ले रहे हैं। इस शिविर में पुलिस परिवारों एवं आमजन के लगभग 110 बच्चों को खेल, सांस्कृतिक और व्यक्तित्व विकास संबंधी गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पुलिस द्वारा बच्चों को प्रतिदिन उनके निवास स्थानों से वाहन के माध्यम से शिविर तक लाया और वापस सुरक्षित घर पहुंचाया जाता है। बच्चों को सुबह जल्दी उठना पड़ता है, इसलिए उनके लिए पौष्टिक नाश्ते और भोजन की व्यवस्था भी की गई है। इस

प्रकार परिवहन, सुरक्षा और पोषण जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनकी सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है।

समर कैंप में बच्चों को अंग्रेजी संवाद कौशल, चित्रकला, नृत्य, कराटे, फुटबॉल, कबड्डी, बैडमिंटन और व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास हो रहा है। इस पहल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि पारधी समुदाय के बच्चे अन्य बच्चों के साथ मिलकर सीख रहे हैं और खेल गतिविधियों में भाग ले रहे हैं। इससे सामाजिक समावेशन को बढ़ावा मिल रहा है तथा बच्चों में आत्मविश्वास का विकास हो रहा है। वहीं अभिभावकों में भी शिक्षा और बच्चों के भविष्य को लेकर जागरूकता बढ़ी है। प्रारंभिक परिणामों में बच्चों के व्यवहार, नियमितता और सीखने की रुचि में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला है। साथ ही पुलिस और समुदाय के बीच संवाद एवं विश्वास भी मजबूत हुआ है। नर्मदापुरम् पुलिस का उद्देश्य 'उड़ान' को केवल समर कैंप तक सीमित रखना नहीं, बल्कि इसे समुदाय के दीर्घकालिक विकास और सशक्तिकरण के अभियान के रूप में आगे बढ़ाना है। भविष्य में प्रतिभा प्रदर्शन कार्यक्रम, अभिभावक सहभागिता गतिविधियां और नियमित फॉलो-अप के माध्यम से समुदाय के साथ सतत जुड़ाव बनाए रखा जाएगा। इसके साथ ही पुलिस विभिन्न विभागों के समन्वय से पारधी समुदाय को शिक्षा, छात्रवृत्ति, स्वास्थ्य, पोषण, कौशल विकास, सामाजिक सुरक्षा और स्वरोजगार से जुड़ी सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए भी प्रयासरत है। नर्मदापुरम पुलिस का मानना है कि 'उड़ान' न केवल बच्चों के लिए प्रशिक्षण का मंच बन रही है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन, विश्वास निर्माण और समुदाय सशक्तिकरण की दिशा में नर्मदापुरम् पुलिस की एक प्रेरणादायक पहल के रूप में उभर रही है।

धार कांग्रेस में अल्पसंख्यक मोर्चे के नए जिलाध्यक्ष के लिए वन-टू-वन मंथन, दावेदारों से लिए आवेदन, प्रभारी कुरैशी दो टूक

सक्रिय और जमीनी स्तर पर पकड़ रखने वाले कार्यकर्ताओं को ही प्राथमिकता

धार। दोपहर मेट्रो

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संगठन सृजन अभियान के तहत धार जिले में अल्पसंख्यक कांग्रेस को नए सिरे से मजबूत करने की कवायद तेज हो गई है। अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी के निर्देश पर धार जिला मुख्यालय पर एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य अल्पसंख्यक कांग्रेस के नए जिलाध्यक्ष का चयन और आगामी चुनावों के मद्देनजर संगठन का बूथ स्तर तक विस्तार करना रहा।

अभियान के तहत धार पहुंचे जिला प्रभारी साजिद कुरैशी ने बैठक के दौरान स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया। उन्होंने नए जिलाध्यक्ष पद के लिए इच्छुक दावेदारों से बंद लिफाफे में आवेदन आमंत्रित किए। प्रभारी कुरैशी ने स्पष्ट किया कि संगठन में सक्रिय और जमीनी स्तर पर पकड़ रखने वाले कार्यकर्ताओं को ही प्राथमिकता दी जाएगी। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से वन-टू-वन चर्चा कर संगठन की जमीनी हकीकत का फीडबैक भी लिया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि अल्पसंख्यक कांग्रेस पार्टी की रीढ़ है। उन्होंने संगठन को और अधिक गतिशील व सक्रिय बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव रखे और आपसी एकजुटता पर बल दिया। वहीं बैठक के मुख्य वक्ता पारितोष सिंह ने संगठन सृजन अभियान के मूल उद्देश्यों पर कहा कि कांग्रेस की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं के कंधों पर है। जब हमारा बूथ मजबूत होगा, तभी संगठन हर चुनौती का सामना करने में सक्षम बनेगा।

ये रहे प्रमुख रूप से मौजूद

कार्यक्रम की शुरुआत पूर्व अध्यक्ष डॉ. रफ़ीक शेख के स्वागत भाषण से हुई। मंच संचालन प्रकोष्ठ अध्यक्ष शकील खान ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन टोनी छाबड़ा द्वारा व्यक्त किया गया। बैठक में शाकिर भाई एडवोकेट, अजगर भाई, डॉ. जियाउल हक, डॉ. जाकिर गुणवाद, वरिष्ठ कांग्रेसी प्रवक्ता अजय सिंह ठाकुर, सतपाल बरनाला, राजेश पवार, शाकिर केसुर जावेद खान खलघाट और रोहित कामदार ने बैठक में अपने विचार रखे। बैठक के अंत में उपस्थित सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और अल्पसंख्यक समुदाय के प्रतिनिधियों ने एक सुर में संकल्प लिया कि वे आपसी मतभेदों को भुलाकर संगठन सृजन अभियान को सफल बनाएंगे और कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाएंगे।

न्यूज विंडो

तेंदूखेड़ा प्रदान संस्था द्वारा प्रशिक्षित मेट को वितरण किए गए प्रमाण पत्र

तेंदूखेड़ा। जनपद पंचायत सभागार में जनपद पंचायत के सहयोग एवं प्रधान संस्था के माध्यम से जी राम जी के तहत मेटो के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक समापन होने पर सभी प्रतिभागी को प्रमाण पत्र वितरित किए गए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मेट के माध्यम से पंचायत में जाकर अन्य महिलाओं को जागरूक करने का प्रशिक्षण दिया गया। महिलाओं की आर्थिक स्थिति कैसे सशक्त बने, ग्रामीण जन काम की तलाश में बाहर जाने को मजबूर हैं वह यहीं रहकर अपना काम अपनी पंचायत में करें एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नये जॉब कार्ड कैसे बनवाएं अपनी ग्राम पंचायत से काम की मांग कैसे करें जी राम जी के नियमों का पालन करते हुए इसका अधिकतम लाभ कैसे उठाएं। सीईओ मनीष बागरी, एपीओ राहुल गागरा ने प्रमाण पत्र वितरित करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जीराम जी के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा संख्या में जोड़ना है जब महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलेगा तो निश्चित रूप से उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति में बड़ा सकारात्मक बदलाव आएगा एवं अधिक से अधिक महिलाएं जी राम जी योजना से जुड़े एवं शासन की योजना का लाभ उठावे सफल आयोजन में प्रधान संस्था कृष्णा माली ने सभी प्रशिक्षित मेटो को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य कामना की एवं जनपद के जिन क्षेत्र की महिलाएं इस कार्यक्रम से नहीं जुड़ पा रही हैं वहां के मेट महिलाओं को प्रशिक्षण करने का प्रयास करें।

नगर परिषद तेंदूखेड़ा में विभागीय समीक्षा बैठक में शामिल हुए मंत्री लोधी

तेंदूखेड़ा। गुरुवार को तेंदूखेड़ा नगर परिषद सभागार में जबेरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न विभागों की प्रगति एवं जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विभागीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने क्षेत्र के विकास कार्यों, अधोसंरचना परियोजनाओं, नागरिक सुविधाओं तथा शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों से उनके विभागों द्वारा संचालित कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। पेयजल व्यवस्था, स्वच्छता, सड़क निर्माण, विद्युत आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, राजस्व प्रकरणों के निराकरण तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। अधिकारियों को लंबित कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने तथा आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए। समीक्षा बैठक में यह भी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पारदर्शिता एवं समयबद्ध तरीके से पहुंचे। नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा विकास कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए विभागीय समन्वय बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया। बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि वे क्षेत्र की समस्याओं के समाधान हेतु नियमित रूप से मैदानी निरीक्षण करें तथा जनता से प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित करें।

तेज धूप के बाद बारिश से बदला मौसम, लोगों को मिली राहत

तेंदूखेड़ा। तेंदूखेड़ा क्षेत्र में सुबह से ही तेज धूप और उमस भरी गर्मी का असर देखने को मिला। सुबह के समय से ही सूर्य की तीखी किरणों के कारण लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ा। बढ़ते तापमान के चलते दोपहर लगभग 11 बजे तक बाजारों और सड़कों पर सामान्य दिनों की अपेक्षा लोगों की आवाजाही कम दिखाई दी। कई लोग गर्मी से बचने के लिए घरों और दुकानों में ही रहने को मजबूर रहे। दोपहर लगभग 1 बजे के बाद मौसम में परिवर्तन के संकेत दिखाई देने लगे। आसमान में काले और घने बादलों का जमाव शुरू हुआ, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद जगी। इसके बाद करीब 2 बजे अचानक मौसम ने करवट ली और क्षेत्र में 3 बजे हल्की से मध्यम बारिश शुरू हो गई। जो लगभग 25 से 30 मिनट जारी रही बारिश के साथ चली ठंडी हवाओं ने वातावरण को पूरी तरह बदल दिया।

छतरपुर में पांच घंटे बवाल: बाइक की मामूली टक्कर ने लिया हिंसक रूप

बाइक की चाबी निकालने पर हुआ विवाद पुलिस पर किया पथराव, चार गिरफ्तार

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

शहर के विंध्यवासिनी मंदिर पुलिस चौकी क्षेत्र में गुरुवार देर रात ऐसा बवाल हुआ, जिसने पूरे इलाके को करीब पांच घंटे तक दहशत में डाल दिया। बाइक लहराने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते मारपीट, पथराव और पुलिस पर हमले तक पहुंच गया। इस दौरान तीन वर्षीय बच्ची को सड़क पर फेंकने जैसे गंभीर आरोप भी लगाए गए हैं। जानकारी के अनुसार, टोरिया मोहल्ले के तीन युवक कथित तौर पर पल्सर बाइक को लहराते हुए जा रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक सामने से आ रहे एक स्कूटी सवार परिवार से टकरा गई। हादसे में पति-पत्नी और उनकी तीन वर्षीय बेटी घायल हो गए। पीड़ित पति ने लापरवाही पर आपत्ति जताते हुए इलाज के खर्च की मांग की और बाइक की चाबी निकाल ली। चाबी छीने जाने से गुस्साया एक आरोपी अपने घर भागा और कुछ ही मिनटों में 6-7 लोगों को लाठी-डंडों के साथ लेकर वापस आ गया। इसके बाद दंपती पर हमला कर दिया गया और उनकी स्कूटी में तोड़फोड़ की गई। पीड़ित महिला का आरोप है कि इस दौरान उसकी गोद से तीन साल की बच्ची को छीनकर सड़क पर फेंक दिया गया, जिससे बच्ची घायल हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर भी उपद्रवियों ने पथराव कर दिया। इस दौरान माहौल और बिगड़ गया। बाद में दोनों पक्षों के बीच टोरिया मोहल्ले में फिर भिड़ंत हो गई, जिसमें जमकर मारपीट और पथराव हुआ। वीडियो बना रहे एक युवक उमाशंकर के सिर में पत्थर लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थिति बिगड़ने पर कोतवाली, सिविल लाइन और ओरछा रोड थानों का अतिरिक्त बल मौके पर पहुंचा। पुलिस दबाव बढ़ने पर आरोपी फरार हो गए। रात में दबिश देकर पुलिस ने निसार, निज्जू और छोटू समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। स्थानीय लोगों के अनुसार फायरिंग की भी चर्चा रही, हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

एसपी बोले- सख्त कार्रवाई होगी

एसपी रजत सकलेचा ने बताया कि मामले में सरकारी कार्य में बाधा, पुलिस पर हमला और दंगा फैलाने जैसी धाराओं में केस दर्ज किया गया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है और जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए हैं।

हिंदू संगठनों का आक्रोश, बुलडोजर की मांग

घटना की खबर मिलते ही देर रात बजरंग दल के नेता प्रखर भट्ट सहित भारी संख्या में हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम के नारे लगाते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की, जिससे करीब 3 से 4 घंटे तक माहौल बेहद संगीन बना रहा। बजरंग दल के प्रखर भट्ट ने प्रशासन को सीधी चेतावनी देते हुए कहा, आरोपियों के मकान नजूल की सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बने हुए हैं। एसडीएम के माध्यम से इन अवैध निर्माणों पर तत्काल बुलडोजर की कार्रवाई की जाए।

मछली मारते समय युवक की करंट लगने से मौत

तेंदूखेड़ा । दोपहर मेट्रो

तेजगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत इमलिया चौकी के समीप कांकर (कालापानी मौजा) खेत के पास नाले में मछली मारते समय 19 वर्षीय युवक की करंट लगने से मौके पर ही मौत हो जाने का घटनाक्रम सामने आया है घटना के संबंध मिली जानकारी अनुसार मृतक की पहचान रत्तू पिता स्व. लखन आदिवासी निवासी कांकर चौकी इमलिया के रूप में हुई है. घटना के समय युवक नाले में मछली मार रहा था, तभी करंट की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई परिजनों ने युवक को पानी से बाहर निकालकर पुलिस को सूचना दी.सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को उठवाकर जिला अस्पताल के शव गृह में सुरक्षित रखवाया.गुरुवार सुबह इमलिया चौकी से प्रधान आरक्षक हीरालाल सहित पुलिस ने पहुंचकर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया शव परिजनों के सुपुर्द कर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है

प्रेम-प्रसंग में की थी वारदात: गंधवानी क्षेत्र से पुलिस ने दोनों को दबोचा

शहर के पीजी कॉलेज के सामने से सरेराह युवती का अपहरण करने वाले दो ईनामी आरोपी गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

शहर के पीजी कॉलेज के सामने से सरेराह युवती का अपहरण करने के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को नौगांव पुलिस टीम ने गिरफतार किया है। आरोपी पिछले दो सालों से फरार थे, आरोपियों की गिरफतारी के लिए पुलिस ने पांच-पांच हजार रुपए का ईनाम भी घोषित किया था। लगातार दबिश के बाद गंधवानी क्षेत्र से पुलिस संतोष उर्फ गोलु पिता शंकर बामनिया उम 25 वर्ष एवं उमंग उर्फ उमनसिंह पिता केनसिंह चौहान उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम कनेरी चौकी डेहरी मुखबीर की सूचना पर घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों से प्रकरण के बारे में पूछताछ कर कोर्ट के समक्ष पेश किया, जहां से आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

यह था मामला: दरअसल नौगांव थाना अंतर्गत पीजी कॉलेज में एमए की परीक्षा देने के लिए इंदौर से एक युवती धार आई थी। घटना दिनांक 17 जनवरी 2024 को शाम के समय परीक्षा देकर कॉलेज से इंदौर नाके की और जा रही थी, इसी दौरान चार पहिया वाहन से आरोपी आए व युवती का अपहरण कर अपने साथ लेकर चले गए थे। पूरा मामला प्रेम-प्रसंग से जुड़ा हुआ था, पुलिस की 10 टीमें सक्रिय हुई व बाग क्षेत्र से युवती को देर रात बरामद किया गया। जिसके बाद पुलिस ने अपहरण सहित आठ गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज किया था। जिले में स्थाई वारंट तामिली अपराधियों की धरपकड को लेकर एसपी सचिन शर्मा के मार्गदर्शन में अभियान चलाया जा रहा है। इसी कडी में संतोष व उमंग को गिरफतार किया गया है। उक्ते कार्यवाही थाना प्रभारी हिरुसिंह रावत, प्रआर हेमराज कटारा, थावरसिंह निंगवाल, आरक्षक अनिलसिंह बीसी, देवेन्द्र परमार, रामराज गुर्जर, आकाश बामनिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मेट्रो एंकर

भागवत कथा का पांचवा दिन: पंडाल में उमड़ी भक्तों की भारी भीड़

छप्पन भोग के साथ धूमधाम से पूजे गए गिरिराज गोवर्धन

नरसिंहपुर। । दोपहर मेट्रो

स्थानीय तुलसी मानस भवन (सदर मढिया) में समस्त मातृशक्ति संगठन नरसिंहपुर के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय भव्य श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पाँचवें दिन आज श्रद्धा और आनंद का अनूठा उल्लास देखने को मिला। कथा के सबसे दिव्य और मुख्य प्रसंगों में से एक गिरिराज गोवर्धन पूजा एवं छप्पन भोग का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें संपूर्ण नरसिंहपुर नगर से हज़ारों की संख्या में श्रद्धालु गोवर्धन नाथ के दर्शन और छप्पन भोग का प्रसाद ग्रहण करने पहुँचे। कथा के प्रथम सत्र में सुप्रसिद्ध कथा वाचक श्रद्धेय पंडित संतोष रामशंकर जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म दिवस के उपरांत गोकुल में आनंद की चर्चा करते हुए कान्हा की मनमोहक बाल-लीलाओं का वर्णन किया। उन्होंने आचार्य गर्गाचार्य द्वारा अत्यंत गोपनीय तरीके से नंद भवन में किए गए प्रभु के नामकरण संस्कार की कथा विस्तार से सुनाई। महाराज जी ने बताया कि किस प्रकार उनके अनंत गुणों के कारण वे श्रीकृष्ण कहलाए। इसके बाद पूतना उद्धार, माखन चोरी और मैया यशोदा द्वारा ब्रह्मांड दर्शन के प्रसंगों को सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

कथा के उत्तरार्ध में महाराज जी ने गोवर्धन पूजा का आध्यात्मिक महत्व समझाते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने देवराज इंद्र के मिथ्या अहंकार को चूर करने और प्रकृति व गौ-वंश के संरक्षण का संदेश देने के लिए ब्रजवासियों से गोवर्धन पर्वत की पूजा करवाई थी। जब क्रोधित इंद्र ने ब्रज पर मूसलाधार वर्षा की, तब कन्हैया ने अपनी छोटी उंगली पर विशाल गिरिराज पर्वत को उठाकर सात दिनों तक समूचे ब्रज की रक्षा की थी। कथा पंडाल में गोवर्धन पर्वत और ठाकुर जी की विशाल एवं अत्यंत सुंदर सजीव झांकी सजाई गई थी। गोवर्धन नाथ को मातृशक्तियों द्वारा छप्पन प्रकार के व्यंजनों का महाभोग (छप्पन भोग) अर्पित किया गया। जैसे ही महाराज जी के सानिध्य में समूचे पंडाल ने गोवर्धन जी की महाआरती शुरू की, पूरा परिसर गोवर्धन महाराज, महाराज तेरे माथे मुकुट विराज रह्यो और गिरिराज धरन की जय के गूंजते जयकारों से सरोबार हो उठा। इस दौरान उपस्थित समस्त मातृशक्तियां भक्ति रस में डूबकर ढोल-ताशों की थाप पर जमकर थिरकीं। जून माह की इस भीषण गर्मी और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बावजूद समस्त मातृशक्ति संगठन की स्वयंसेविकाओं ने पूरी तत्परता से पंडाल की कमान संभाली। श्रद्धालुओं के लिए शीतल पेयजल, महाप्रसाद वितरण और आधुनिक कूलिंग सिस्टम की व्यवस्था इतनी चाक-चौबंद रही कि हज़ारों भक्तों ने अत्यंत सुगमता से इस उत्सव का आनंद लिया। आयोजन समिति ने बताया कि कल कथा का छठवां दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है। कल श्रद्धेय महाराज जी द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की सबसे प्रिय रास पंचाध्यायी (महारास लीला), कंस वध, मथुरा गमन और भव्य रुक्मिणी विवाह उत्सव का प्रसंग सुनाया जाएगा।

कप्तानी सहित वैभव के डेब्यू और एशियन गेम्स पर होगा फैसला

टीम इंडिया की टी20 टीम पर बड़ा मंथन कल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट के लिए आने वाले महीने बेहद अहम साबित होने वाले हैं। इसकी शुरुआत शनिवार से हो जाएगी। चयन समिति इस दिन मुंबई में हाईलेवल मीटिंग करेगी। मुख्य चयनकर्ता अजीत आगरकर की अगुवाई में होने वाली इस बैठक में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम पर भी मुहर लगेगी। साथ ही 2026 एशियन गेम्स के लिए संभावित स्क्वॉड पर भी चर्चा होगी। कप्तानी से लेकर युवा खिलाड़ियों के भविष्य तक कई अहम मुद्दे चयनकर्ताओं के सामने होंगे।

भारत जून में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच खेलेगा, जबकि जुलाई में इंग्लैंड दौरे पर पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इसी बीच वेस्टइंडीज दौरा और सितंबर में जापान में होने वाले एशियन गेम्स लगभग एक ही समय पर पड़ रहे हैं। ऐसे में चयनकर्ताओं को यह तय करना होगा कि एशियन गेम्स में अनुभवी खिलाड़ियों को भेजा जाए या फिर युवा प्रतिभाओं को मौका दिया जाए। चूंकि वहां पदक दांव पर होगा, इसलिए इस मुद्दे पर गंभीर चर्चा की संभावना है।

सूर्या पर मंडरा रहे संकट के बादल- भारतीय टी20 टीम की कप्तानी सबसे बड़ा चर्चा का विषय बनी हुई है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने टी20 विश्व कप खिताब बरकरार रखा, लेकिन उनकी व्यक्तिगत बल्लेबाजी उम्मीदों के अनुरूप नहीं रही। आईपीएल 2026 में उन्होंने 13 पारियों में केवल 270 रन बनाए, जबकि विश्व कप में भी उनका प्रदर्शन औसत रहा।

वैभव सूर्यवंशी को मिल सकता है बड़ा इनाम

इस चयन बैठक में सबसे ज्यादा चर्चा 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को लेकर हो सकती है। आईपीएल 2026 में युवा बल्लेबाज ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा। बड़े गेंदबाजों के खिलाफ निडर अंदाज में रन बनाने वाले वैभव को भविष्य का स्टार माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक चयनकर्ताओं का मानना है कि वह अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में मौका पाने के लिए तैयार हैं। हालांकि टीम में पहले से अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और ईशान किशन जैसे खिलाड़ी मौजूद हैं। ऐसे में चयनकर्ता रोटेशन नीति अपनाकर वैभव को शुरुआती सीरीज में मौका दे सकते हैं।

कप्तानी की दौड़ में श्रेयस अय्यर सबसे आगे

पिछले दो आईपीएल सीजन में श्रेयस अय्यर ने कप्तान के तौर पर शानदार नेतृत्व क्षमता दिखाई है। पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाने के अलावा उन्होंने पहले भी विभिन्न फ्रेंचाइजियों के साथ सफल कप्तानी की है। यही कारण है कि उन्हें भारतीय टी20 टीम की कप्तानी का मजबूत दावेदार माना जा रहा है। हालांकि कप्तानी की जिम्मेदारी मिलने से पहले उन्हें टीम में अपनी जगह पक्की करनी होगी, क्योंकि पिछली विश्व कप टीम में उन्हें शामिल नहीं किया गया था।

रजत पाटीदार और हार्दिक पंड्या पर भी रहेंगी निगाहें

रजत पाटीदार ने आईपीएल 2026 में कप्तान और बल्लेबाज दोनों भूमिकाओं में शानदार प्रदर्शन करते

हुए अपनी टीम को लगातार दूसरा खिताब दिलाया। उनकी सफलता ने उन्हें चयनकर्ताओं की नजर में मजबूत दावेदार बना दिया है। हालांकि मिडिल ऑर्डर में जगह सीमित होने के कारण पाटीदार और श्रेयस अय्यर के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिल सकती है। वहीं हार्दिक पंड्या का प्रदर्शन इस सीजन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। फिटनेस समस्याओं और पीठ की चोट ने उनके खेल को प्रभावित किया। इसके बावजूद चयनकर्ता उनकी ऑलराउंड क्षमता और अनुभव को देखते हुए उन पर नजर बनाए रखेंगे।

कई बड़े फैसलों पर टिकी होंगी निगाहें

मुंबई में होने वाली यह चयन बैठक सिर्फ टीम चयन तक सीमित नहीं होगी, बल्कि भारतीय टी20 क्रिकेट की भविष्य की दिशा भी तय कर सकती है। कप्तानी में बदलाव, युवा खिलाड़ियों को मौका और एशियन गेम्स की रणनीति जैसे मुद्दों पर लिए जाने वाले फैसलों पर पूरे क्रिकेट जगत की नजरें टिकी रहेंगी।

ललित मोदी का सनसनीखेज दावा

आईपीएल पर कंट्रोल चाहता था दाऊद इब्राहिम?

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। आईपीएल के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी ने एक सनसनीखेज दावा कर क्रिकेट और राजनीति दोनों हलकों में हलचल मचा दी है। इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसके नेटवर्क से उन्हें लगातार धमकियां मिलती थीं। मोदी के मुताबिक, सट्टेबाजी और फिक्सिंग के खिलाफ सख्त कदम उठाने के बाद वह अंडरवर्ल्ड के निशाने पर आ गए थे। उन्होंने दावा किया कि आईपीएल को दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग बनाने की कीमत उन्हें निजी सुरक्षा और मानसिक तनाव के रूप में चुकानी पड़ी। उनके अनुसार, कई बार उन्हें हत्या की साजिशों और जबरन दबाव का सामना करना पड़ा।

2012 की 'लंदन रात' का दावा

ललित मोदी ने सबसे चौंकाने वाला दावा 2012 की एक घटना को लेकर किया। उनके अनुसार, लंदन में रात करीब 3:30 बजे उन्हें एक प्रभावशाली बिचौलिए के पेंटहाउस में बुलाया गया। वहां कथित तौर पर एक सैटेलाइट फोन के जरिए उनकी बात दाऊद इब्राहिम से कराई गई। मोदी ने उस पल को याद करते हुए कहा कि वह बेहद डर गए थे और उनकी हालत खराब हो गई थी। उनके अनुसार फोन पर एक धमकी भरी आवाज आई और बातचीत अचानक समाप्त कर दी गई। उन्होंने यह भी दावा किया कि उस समय उनके घर के बाहर ब्रिटिश सुरक्षा एजेंसियों की मौजूदगी के बावजूद वे असुरक्षित महसूस कर रहे थे।

आईपीएल शिफ्ट के बाद बढ़ा तनाव

ललित मोदी ने दावा किया कि विवाद की शुरुआत 2009 में आईपीएल के भारत से दक्षिण अफ्रीका शिफ्ट होने के बाद हुई। लोकसभा चुनाव के कारण टूर्नामेंट को विदेश में आयोजित किया गया था। उनके अनुसार, इस फैसले से सट्टा बाजार में भारी नुकसान हुआ, जिसके बाद कथित तौर पर उन्हें निशाना बनाया गया। मोदी ने कहा कि उन पर दबाव बनाया गया कि वे नुकसान की भरपाई करें, लेकिन उन्होंने इससे इनकार कर दिया। इसी के बाद धमकियों और साजिशों का सिलसिला शुरू हुआ। मोदी के मुताबिक, आईपीएल कमिश्नर रहते हुए उन्होंने सट्टेबाजी और स्पॉट फिक्सिंग के खिलाफ कई सख्त कदम उठाए थे। उन्होंने दावा किया कि संदिग्ध लोगों को स्टेडियम से दूर रखा गया और कई स्तरों पर निगरानी बढ़ाई गई। उनका यह भी कहना है कि उन्हें करोड़ों डॉलर की कथित रिश्वत तक ऑफर की गई, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया। इसी वजह से वह संगठित नेटवर्क के निशाने पर आ गए।

बेरेटिनी की चोट से फ्रेंच ओपन में बड़ा उलटफेर

104वीं रैंकिंग वाले अर्नाल्डी ने बनाई अंतिम चार में जगह

पेरिस, एजेंसी

इटली के खिलाड़ी मैटेओ अर्नाल्डी ने फ्रेंच ओपन 2026 के सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली है। अर्नाल्डी पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। हिप इंजरी के कारण मैटेओ बेरेटिनी को क्वार्टर फाइनल मुकाबला बीच में ही छोड़ना पड़ा, जिसके चलते अर्नाल्डी को विजेता घोषित किया गया। मैच के समय अर्नाल्डी 7-5, 5-2 से आगे चल रहे थे। दूसरे सेट में बेरेटिनी की चोट गंभीर हो गई और उन्हें मुकाबले से हटना पड़ा। इस तरह अर्नाल्डी अपने करियर में पहली बार फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गए। आधुनिक युग में विपक्षी खिलाड़ी के रिटायर होने के कारण क्वार्टर फाइनल मुकाबला जीतने वाले अर्नाल्डी महज दूसरे खिलाड़ी बने हैं। मुकाबले की शुरुआत बेरेटिनी ने शानदार अंदाज में की थी। उन्होंने शुरुआती तीन गेम में दो बार सर्विस ब्रेक करते हुए 3-0 की बढ़त हासिल कर ली थी।

देखने को मिली कड़ी टक्कर

पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबी और कड़ी टक्कर देखने को मिली। 76 मिनट तक चले इस सेट में कई रोमांचक रैलियां हुईं। बेरेटिनी ने एक गेम में पांच ब्रेक प्वाइंट बचाए, लेकिन सेट के अंतिम गेम में वह अपनी सर्विस नहीं बचा सके और अर्नाल्डी ने 7-5 से सेट अपने नाम कर लिया। पहला सेट हारने के बाद बेरेटिनी की परेशानी बढ़ने लगी। दूसरे सेट में 2-1 से पीछे होने पर उन्होंने मेडिकल टाइमआउट लिया। कुछ देर इलाज के बाद वे कोर्ट पर लौटे और खेलने की कोशिश की, लेकिन दर्द लगातार बढ़ता गया। आखिरकार उन्होंने मुकाबला छोड़ने का फैसला किया। मैच के बाद बेरेटिनी ने बताया कि उन्हें पहले सेट के दौरान ही हिप में परेशानी महसूस होने लगी थी। उन्होंने दर्द को नजरअंदाज कर खेल जारी रखने की कोशिश की, लेकिन जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा और उन्हें ज्यादा सर्विस तथा फोरहैंड शॉट लगाने पड़े, दर्द बढ़ता गया।

उपकप्तानी जाने से ऋषभ पंत नाराज? भारतीय कोच ने खोला राज

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार से शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से पहले भारतीय टीम के सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने ऋषभ पंत को लेकर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि पंत टीम के अहम खिलाड़ी हैं, लेकिन उन्हें मैच की परिस्थितियों के अनुसार अपनी बल्लेबाजी को ढालने की जरूरत है. टेन डोशेट ने स्पष्ट किया कि नेतृत्व केवल किसी पद से नहीं आता और टीम को ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत है जो बिना किसी आधिकारिक जिम्मेदारी के भी आगे बढ़कर नेतृत्व करें. उन्होंने कहा- लीडर बनने के लिए किसी औपचारिक पद की जरूरत नहीं होती. हम चाहते हैं कि ऋषभ पंत मैच की स्थिति के मुताबिक अपना खेल खेलें और सही फैसले लें. पिछले महीने बीसीसीआई ने अफगानिस्तान टेस्ट के लिए भारतीय टीम की घोषणा की थी. इस दौरान ऋषभ पंत को टेस्ट टीम के उपकप्तान पद से हटा दिया गया था।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

बिकिनी पहनकर पूल में उतरी अरबाज खान की EX गर्लफ्रेंड

बोल्डनेस से हाई किया पारा

अरबाज खान की एक्स गर्लफ्रेंड, मॉडल-एक्ट्रेस जॉर्जिया एंड्रियानी हॉट लुक को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। एक बार फिर उनकी बोल्डनेस चर्चा में है। जॉर्जिया ने अपने इंस्टाग्राम पर मालदीव वेकेशन की तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो बिकिनी में नजर आ रही हैं। बिकिनी पहनकर वो पूल टाइम एंजॉय कर रही हैं। फोटोज में जॉर्जिया पूल में सिजलिंग पोज देती दिखीं। उड़ती जुल्फें, ग्लोइंग फेस और अदाओं से वो फैन्स के दिलों पर छूरियां चला गईं। जॉर्जिया को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि उन्होंने मालदीव जाकर सुकून से मी-टाइम एंजॉय किया है। मालदीव की खूबसूरती उनके मन को सुकून दे रही है। फोटोज शेयर करते हुए जॉर्जिया ने लिखा कि मालदीव अनपोस्टेड पार्ट 1। जॉर्जिया के फोटोज शेयर करते ही कमेंट सेक्शन में फैन्स के रिएक्श की बाढ़ सी आ गई।

चार साल तक अरबाज के साथ थीं रिलेशनशिप में

एक फैन ने लिखा कि गॉर्जियस। दूसरे ने लिखा कि स्टनिंग। कुछ ने लोगों ने क्यूटी और कूल लिखकर उनकी तारीफ की। कुछ फैन्स ने उन्हें बोल्ड बताया। ये पहला मौका नहीं जब जॉर्जिया ने अपनी बोल्ड फोटोज से फैन्स को सरप्राइज किया है। वो अकसर ऐसी बोल्ड फोटोज से लाइमलाइट लूटती हैं। कई बार उन्हें ज्यादा स्किन शो ऑफ करने के लिए ट्रोल भी किया गया है। एक्ट्रेस की पर्सनल लाइफ की बात करें, तो जॉर्जिया 4 साल तक अरबाज खान के साथ रिलेशनशिप में थीं। 2023 में दोनों का ब्रेकअप हो गया। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि ब्रेकअप के बाद लंबे समय तक उन्हें खालीपन का एहसास होता रहा। उनके लिए मूव ऑन करना मुश्किल था।

61 की उम्र में तीसरी शादी करेंगे आमिर खान एक्ट्रेस सुचित्रा बोलीं- वो बहुत हिम्मती हैं

कहते हैं कि प्यार और शादी की कोई उम्र नहीं होती है। कई सितारे इस कहावत को सच साबित कर चुके हैं। अब आमिर खान प्यार और शादी की नई कहानी लिखने जा रहे हैं। 61 साल के आमिर 5 जुलाई को अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट संग घर बसाने जा रहे हैं। ये आमिर की तीसरी शादी होगी। उम्र के इस पड़ाव पर आकर शादी करना आसान फैसला नहीं है। अब एक्ट्रेस-सिंगर सुचित्रा कृष्णमूर्ति ने बॉलीवुड परफेक्शनिस्ट की तीसरी वेडिंग न्यूज पर रिएक्ट किया है।

आमिर खान और गौरी स्प्रैट की वेडिंग न्यूज ने खलबली मचा दी है। हर जगह बस उनकी शादी की चर्चा हो रही है। जब ये बात सुचित्रा कृष्णमूर्ति तक पहुंची, तो उन्होंने भी इस पर रिएक्ट किया। ढ्ढह्म्स से बात करते हुए उन्होंने कहा कि ये बहुत बहादुरी की बात है कि उन्होंने एक बार फिर अपने दिल के दरवाजे खोल दिए। वो कहती हैं कि बहुत-बहुत शुभकामनाएं। वो बहुत बहादुर हैं। मैं कामना करती हूं कि उन्हें ढेर सारी सक्सेस और खुशियां मिलें। मेरा

मानना है कि फिर से दिल खोलकर प्यार करना बहुत खूबसूरत बात है। ये एक वरदान जैसा मौका है और मैं उनके लिए बहुत सारा प्यार और सफलता चाहती हूं। मॉर्डन जमाने की शादियों पर बात करते हुए सुचित्रा ने कहा कि आजकल शादी जरूरी नहीं रही, बल्कि एक ऑप्शन बन गई हैं। फिल्ममेकर शेखर कपूर से तलाक के बाद सुचित्रा कृष्णमूर्ति ने दूसरी शादी नहीं की। तलाकशुदा जिंदगी पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब तक आप अपने आप में सुलझे नहीं होते, आप किसी रिश्?ते को सुलझा नहीं सकते। लोग मुझसे अकसर पूछते हैं कि मैं अकेली क्यों हूं। मैं बताती हूं कि मैं कला से शादी कर चुकी हूं।

मेट्रो बाजार

ऊर्जा संकट के बावजूद भारतीय कंपनियों के मुनाफे में हुई 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी

नई दिल्ली । ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव और अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय कंपनियों ने वित्त वर्ष 2026 का समापन मजबूत प्रदर्शन के साथ किया। एक रिपोर्ट के अनुसार, बीएसई 500 कंपनियों के शुद्ध मुनाफे यानी कर पश्चात लाभ (पीएटी) में वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर लगभग 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछली तिमाही के प्रदर्शन के लगभग समान रही।

एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत राजस्व वृद्धि, विभिन्न क्षेत्रों की व्यापक भागीदारी, स्वस्थ नकदी प्रवाह और मजबूत बैलेंस शीट ने वित्त वर्ष 2027 के लिए आय वृद्धि की संभावनाओं को और बेहतर बनाया है। रिपोर्ट के अनुसार, गैर-वित्तीय कंपनियों की आय में तेजी आई है। इन कंपनियों की कुल राजस्व वृद्धि बढ़कर 12.3 प्रतिशत हो गई, जबकि पिछली तिमाही में यह 9.2 प्रतिशत थी। हालांकि परिचालन लाभ मार्जिन (ईबीआईटीडीए मार्जिन) मामूली रूप से घटकर 16.4 प्रतिशत रह गया, लेकिन कंपनियों की कमाई की गुणवत्ता मजबूत बनी रही, जो भारतीय कॉरपोरेट क्षेत्र की बुनियादी मजबूती को दर्शाती है। रिपोर्ट में बताया गया कि चौथी तिमाही के दौरान विभिन्न कंपनियों और क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर वृद्धि देखने को मिली। बीएसई 500 की लगभग 59 प्रतिशत कंपनियों ने अपने मुनाफे में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की, जबकि 39 प्रतिशत कंपनियों की आय में 25 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई।

मारुति ने 100 % एथेनॉल पर चलने वाली पहली गाड़ी वैगनआर फ्लेक्स-फ्यूल को किया लॉन्च

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी ने भारत में फ्लेक्स-फ्यूल पर चलने वाली पहली गाड़ी वैगनआर फ्लेक्स-फ्यूल को लॉन्च किया। यह गाड़ी ऐसे समय पर पेश की गई है, जब कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण पेट्रोल-डीजल महंगा हो गया है। इससे देश को स्वच्छ ऊर्जा की तरफ ट्रांजिशन में मदद मिलेगी। यह नया मॉडल ई20 से लेकर ई100 तक के एथेनॉल-पेट्रोल मिश्रण पर चलने में सक्षम है, जिससे यह भारत में 100 प्रतिशत एथेनॉल पर चलने के लिए डिजाइन किया गया पहला यात्री वाहन बन गया है। कंपनी ने कहा कि यह लॉन्च भारत के पारंपरिक पेट्रोल पर निर्भरता कम करने और परिवहन क्षेत्र में जैव ईंधन के उपयोग को बढ़ाने के व्यापक प्रयासों के अनुरूप है।

इस लॉन्च कार्यक्रम में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी उपस्थित थे, जिन्होंने स्वच्छ परिवहन समाधानों को बढ़ावा देने के लिए सरकार के निरंतर प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि सरकार अपनी वैकल्पिक ईंधन रणनीति के तहत 15 प्रतिशत आइसोब्यूटेनॉल मिश्रित डीजल पेश करने की योजना बना रही है। गडकरी ने मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड और हीरो मोटोकॉर्प जैसी ऑटोमोबाइल कंपनियों से पुराने वाहनों को फ्लेक्स-फ्यूल मॉडल में बदलने और उन्हें यूरो 6 मानकों सहित सख्त उत्सर्जन मानकों के अनुरूप बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ऐसे उपाय वायु प्रदूषण को कम करने में मदद करेंगे और पुराने, अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को सड़कों से हटाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे वाहन स्क्रैपेज कार्यक्रम को समर्थन देंगे। लॉन्च पर बोलते हुए, गडकरी ने ऑटोमोबाइल क्षेत्र को भारतीय अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख विकास चालक बताया और कहा कि भारत में अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल उद्योग है, जो जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

एक ही पत्थर से बना धर्मराजेश्वर मंदिर

» नई टेक्नोलॉजी को भी देता है चुनौती

मंदसौर। महाराष्ट्र के अजंता-एलोरा स्थित कैलाश मंदिर की ख्याति देश-दुनिया में है, लेकिन मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में स्थित धर्मराजेश्वर मंदिर आज भी अपेक्षित पहचान का इंतजार कर रहा है। शामगढ़ तहसील के चंदवासा गांव के समीप स्थित यह मंदिर अपनी निर्माण शैली, स्थापत्य कला और धार्मिक मान्यताओं के कारण किसी आश्चर्य से कम नहीं है।इसकी तुलना एलोरा के कैलाश मंदिर से की जाती है, क्योंकि यह भी एकाश्म (मोनोलिथिक) शैली में निर्मित है। करीब आठवीं शताब्दी में निर्मित धर्मराजेश्वर मंदिर को नौ मीटर गहरी चट्टान को ऊपर से नीचे की ओर तराशकर बनाया गया है। मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके निर्माण में कहीं भी किसी प्रकार का जोड़ नहीं है।

मोदी कैबिनेट में बड़े फेरबदल के संकेत

11 उम्मीदवारों को दिया राज्यसभा का टिकट, दो मंत्री लिस्ट में नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी ने 18 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए अपने 11 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में सबसे ज्यादा ध्यान इस बात ने खींचा है कि केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और जॉर्ज कुरियन को इसमें जगह नहीं मिली है।

कुरियन पीएम मोदी की सरकार में एकमात्र ईसाई मंत्री हैं, जबकि बिट्टू पंजाब के बड़े नेता हैं। मध्य प्रदेश और राजस्थान से निवर्तमान राज्यसभा सांसद होने के बावजूद दोनों को दोबारा मौका नहीं दिया गया है। इस फैसले ने सियासी गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है।

इन दोनों मंत्रियों का नाम कटने के बाद मोदी कैबिनेट में एक बड़े फेरबदल की अटकलें काफी तेज हो गई हैं। यह चर्चा इसलिए भी जोर पकड़ रही है क्योंकि हाल ही में दो अन्य जूनियर मंत्रियों, पंकज चौधरी और हर्ष मल्होत्रा को संगठन में अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। पंकज चौधरी को यूपी बीजेपी का अध्यक्ष और हर्ष मल्होत्रा को दिल्ली बीजेपी का प्रमुख बनाया गया है।

हालांकि, बीजेपी ने अभी झारखंड और कर्नाटक के लिए उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है, इसलिए यह संभावना बची है कि दोनों मंत्रियों में से किसी एक को वहां से राज्यसभा भेज दिया जाए।वैसे, नियम के मुताबिक सांसद न रहने पर भी वे छह महीने तक मंत्री पद पर बने रह सकते हैं। आपको बता दें कि साल 2022 में मुख्तार अब्बास नकवी और आरसीपी सिंह के साथ भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला था।

केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और जॉर्ज कुरियन को नहीं मिली राज्यसभा की टिकट।

नए चेहरों और संगठन से जुड़े नेताओं पर भरोसा

इस बार के राज्यसभा चुनाव में बीजेपी ने किसी भी निवर्तमान सांसद को दोबारा टिकट नहीं दिया है, बल्कि नए और संगठन के निष्ठावान चेहरों पर दांव खेला है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ और राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को पहली बार संसद भेजने की तैयारी है।गुजरात से पार्टी ने राजूभाई शुक्ला, मुकेशभाई राठवा, मानसिंह परमार और जितेंद्र कंजारिया को चुना है, जिसके जरिए ओबीसी और आदिवासी समुदायों को खास तरजीह दी गई है।वहीं, पूर्वोत्तर से मणिपुर की प्रदेश अध्यक्ष ए शारदा देवी और अरुणाचल से पूर्व प्रदेश प्रमुख ताई तगाक को उम्मीदवार बनाया गया है। ओडिशा की बात करें तो हाल ही में बीजेडी छोड़कर आए देबाशीष सामंतराय को पार्टी ने अपना उम्मीदवार बनाया है।

बिट्टू और कुरियन को लेकर रणनीति

पंजाब के पूर्व सीएम बेअंत सिंह के पोते और मजबूत जाट सिख नेता रवनीत सिंह बिट्टू का नाम न होना कई लोगों के लिए हैरानी भरा है। माना जा रहा है कि पार्टी उन्हें पंजाब के आगामी विधानसभा चुनावों पर पूरी तरह से फोकस करने के लिए कह सकती है। वहीं, केरल से आने वाले अनुभवी नेता जॉर्ज कुरियन हाल ही में राज्य विधानसभा चुनाव हार गए थे, इसलिए उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर भी कोई नई रणनीति बन सकती है। इसके अलावा, पंजाब में पार्टी ने जहां प्रदेश अध्यक्ष के रूप में एक जाट सिख को कमान सौंपी है, वहीं तरुण चुघ को चुनकर अपने पुराने और पारंपरिक वोटरों को भी साधने का संतुलन बनाया है।

11 सीटों पर जीत लगभग तय

जिन निवर्तमान सांसदों का टिकट काटा गया है, उनमें गुजरात से रामभाई मोकारिया, अमीन नरहरि, रमीला बारा, राजस्थान से राजेंद्र गहलोत, मणिपुर से लीशेम्बा सनाजाओबा, अरुणाचल से नबाम रेबिया और मध्य प्रदेश से सुमेर सिंह सोलंकी शामिल हैं।इन राज्यों की विधानसभाओं में अपने मजबूत संख्या बल के चलते बीजेपी का 10 सीटों पर जीतना पूरी तरह तय है। इनमें गुजरात से चार, राजस्थान और मध्य प्रदेश से दो-दो, तथा मणिपुर और अरुणाचल से एक-एक सीट शामिल है। इसके साथ ही, ओडिशा की एक मात्र उपचुनाव सीट पर भी पार्टी की ही जीत पक्की मानी जा रही है।

न्यूज विंडो

ईटानगर में अवैध बस्तियों के खिलाफ सरकार का एक्शन, 15 मस्जिदें सील

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश सरकार ने ईटानगर राजधानी क्षेत्र में बिना अनुमति के बने मस्जिदों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। स्थानीय आदिवासी समूहों द्वारा अवैध बस्तियों और आबादी के संतुलन में बदलाव पर चिंता जताए जाने के बाद, प्रशासन ने पहचान की गई सभी 15 मस्जिदों को सील कर दिया है।यह कदम अरुणाचल प्रदेश इंडिजिनस यूथ ऑर्गनाइजेशन के बढ़ते दबाव के बाद उठाया गया है। यह संगठन अवैध कब्जों और बिना अनुमति के बने धार्मिक ढांचों के खिलाफ अभियान चला रहा है। इस संगठन ने पहले राजधानी क्षेत्र में 24 घंटे का बंद भी आयोजित किया था, और चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुई तो वे आगे भी विरोध प्रदर्शन करेंगे।गुरुवार को मीडिया को संबोधित करते हुए राज्य सरकार के प्रवक्ता और शिक्षा मंत्री पी.डी. सोना ने बताया कि यह मुद्दा पहली बार इस साल जनवरी में मुख्यमंत्री पेमा खांडू और प्रतिनिधियों के बीच हुई बैठक के दौरान सरकार के संज्ञान में आया था।

राजस्थान में इबोला का पहला संदिग्ध केस युगांडा से आई महिला में दिखे लक्षण

जयपुर। राजस्थान में इबोला वायरस का पहला संदिग्ध मामला सामने आया है। युगांडा से राजस्थान घूमने आई विदेशी महिला में इबोला जैसे लक्षण देखे गए हैं। खतरनाक वायरस के लक्षण मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। महिला को जयपुर के आरयूएचएस अस्पताल में भर्ती कर आइसोलेशन में रखा गया है। राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ एंड साइंसेज के अधीक्षक डॉ. अनिल गुप्ता ने कहा कि अभी इबोला की पुष्टि नहीं हुई है। महिला के सैंपल जांच के लिए पुणे की विशेष लैब भेजे जा रहे हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही संक्रमण की पुष्टि हो सकेगी।

मणिपुर: उग्रवादियों ने सो रहे तीन लोगों की हत्या की, 7 घरों में लगाई आग

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले के लोइबोल खुलेन गांव में आज संदिग्ध उग्रवादियों के हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और सात घर जलकर राख हो गए। कुकी का प्रतिनिधित्व करने वाली मुख्य संस्था KIM के अनुसार, NSCN-IM और उसके सहयोगी संगठन भारी हथियारों से लैस सदस्यों ने सुबह करीब 4 बजे गांव पर हमला किया। संगठन ने कहा कि इस हमले में तीन आम नागरिकों की मौत हो गई, सात घर नष्ट हो गए और नागरिकों की संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा।मृतकों की पहचान लेतखोंगम हाओकिप, उनकी पत्नी टिनमेरी हाओकिप और जांगमिनलाल हाओकिप के रूप में हुई है। ये सभी लोइबोल खुलेन के निवासी थे। घटना की निंदा करते हुए चढ्ढरूने इस हमले को निहत्थे नागरिकों के खिलाफ 'हिंसा का बर्बर कृत्य' बताया और कहा कि निर्दोष लोगों की जानबूझकर हत्या और घरों को नष्ट करना मानवीय गरिमा और मौलिक मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है।

नीट-यूजी मामले में दिग्विजय सिंह का पीएम को पत्र

छात्रों का भरोसा लौटाना जरूरी श्वेत पत्र जारी करे सरकार

नई दिल्ली, भोपाल, एजेंसी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने नीट-यूजी परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक के मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया है वह पिछले आठ वर्षों में एनटीए की ओर से आयोजित परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक या अनियमितताओं की घटनाओं कार्रवाई करे। इसके साथ ही दस्तावेजीकरण करते हुए एक श्वेत पत्र जारी करे।

शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह ने कहा कि ऐसे समय में, जब लाखों छात्र भारी दबाव में हैं, तब व्यवस्था में उनका विश्वास मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है, 'मैं आपसे एक बहुत ही जरूरी चिंता व्यक्त करने के लिए लिख रहा हूं, जो पिछले कुछ हफ्तों में कई छात्रों ने मुझसे साझा की है। ऐसे समय में जब नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द हो गई है। इससे लाखों छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ा है। उनके तनाव का मुख्य कारण यह है कि पिछले प्रश्नपत्रों के लीक होने मामले की जांच कैसे की गई है। इस बारे में स्पष्टता का अभाव है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि फिलहाल प्रश्नपत्र लीक से संबंधित मामलों पर सीबीआई, केंद्र और राज्य सरकारों की अन्य जांच एजेंसियों द्वारा उन पर की जा रही कार्रवाई का कोई समेकित सार्वजनिक रिकॉर्ड मौजूद नहीं है।

यूपी में 3 फीट जमीन के विवाद में 8 साल के मासूम की हत्या, मां के सामने दो चाचाओं ने रेता गला

लखीमपुर खीरी। तारा नगर गांव में तीन फीट जमीन के विवाद ने रिश्तों को शर्मसार कर दिया। गुरुवार की देर रात मां के सामने ही आठ वर्षीय बालक की गला रेतकर हत्या कर दी गई।आरोप है कि वारदात को बच्चे के दो चाचाओं ने अंजाम दिया। विरोध करने पर मां पर भी चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है।तारा नगर गांव निवासी ज्ञानवती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पति रामप्रसाद का मानसिक संतुलन ठीक नहीं है।रात वह अपने आठ वर्षीय पुत्र रवि के साथ छप्परनुमा घर में सो रही थीं। रात करीब पौने दो बजे आहट होने पर उन्होंने टॉर्च जलाकर देखा, लेकिन कोई दिखाई नहीं दिया। इसके बाद वह दोबारा सो गईं।आरोप है कि कुछ देर बाद उनके पति के चचेरे भाई सियाराम और हरेराम वहां पहुंचे।सियाराम ने उन्हें पकड़ लिया, जबकि हरेराम ने मच्छरदानी के भीतर सो रहे रवि पर चाकू से हमला कर दिया। गर्दन पर वार होने से बालक गंभीर रूप से घायल हो गया। मां के विरोध करने पर आरोपितों ने उनकी गर्दन और दाहिने हाथ पर भी चाकू से कई वार किए।

एसी फटने से हुआ हादसा

नोएडा आइवी काउंटी सोसाइटी में भीषण आग

नोएडा, एजेंसी

नोएडा के सेक्टर 75 में आइवी काउंटी सोसाइटी में सुबह भीषण आग लग गई। आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। घटना थाना सेक्टर-113 क्षेत्र की बताई जा रही। 12वें फ्लोर के एक फ्लैट में आग लगने के बाद दमकल की टीम को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार एसी फटने से आग लगी। इसके बाद पूरी बिल्डिंग को खाली कराया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा में आग की घटना पर संज्ञान लिया है। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने कहा कि राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाएं और घायलों को उचित उपचार उपलब्ध कराएं। सीएम का आदेश है कि प्रशासन को हर स्तर पर सतर्कता बरतनी चाहिए। उन्होंने राहत कार्यों की सतत मॉनिटरिंग के निर्देश दिए हैं।

घटना में कोई जनहानि नहीं

मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि यह घटना सेक्टर-75 में स्थित आइवी काउंटी सोसाइटी में सुबह आठ बजे हुई। उन्होंने बताया कि आग फ्लैट में एयर कंडीशन में हुए विस्फोट की वजह से लगी। आग के कारण पूरी सोसाइटी में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। एक अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग को बुझाने के प्रयास शुरू किए गए। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

ट्रंप बोले- भारत व अमेरिका के बीच ट्रेड डील होगी मुझे पीएम मोदी बहुत पसंद, वह मेरे अच्छे दोस्त हैं

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता जरूर होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना अच्छा मित्र बताते हुए कहा कि दोनों देशों के संबंध मजबूत हैं और व्यापार वार्ता सही दिशा में आगे बढ़ रही है। व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा, 'हम समझौते तक पहुंचेंगे, क्योंकि मुझे आपके प्रधानमंत्री बहुत पसंद हैं। वह मेरे अच्छे मित्र हैं। हमारे संबंध बहुत अच्छे हैं और हम एक व्यापार समझौता करेंगे'।व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान दोनों देशों के बीच चल रहे व्यापार समझौते के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा कि कई वर्षों तक भारत ने अमेरिका पर ऊंचे आयात शुल्क लगाए। उन्होंने दावा किया कि भारत अमेरिकी उत्पादों पर भारी टैरिफ वसूलता था, जबकि अमेरिका को उसका समान लाभ नहीं मिलता था। ट्रंप ने कहा कि अब स्थिति बदल गई है और अमेरिका भारत के साथ व्यापार से अच्छा राजस्व प्राप्त कर रहा है।

व्यापार समझौते पर बातचीत जारी

इस बीच, दोनों देशों के बीच अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत जारी है। इसी सिलसिले में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल इस सप्ताह भारत दौरे पर आया था। चार दिनों तक चली वार्ता गुरुवार को समाप्त हुई। भारत के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच बातचीत सहयोग और व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ हुई। भारत और अमेरिका ने एक ऐसे समझौते पर सहमति बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई है, जिससे दोनों देशों के व्यापार और आर्थिक संबंधों को और मजबूती मिले तथा दोनों को समान लाभ प्राप्त हो।अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच ने किया, जबकि भारतीय पक्ष की अगुवाई वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन ने की। दोनों देश पहले चरण के द्विपक्षीय व्यापार समझौते का ढांचा तय कर चुके हैं।

सिलिंडर फटने से घर में लगी आग, 3 लोगों की मौत

तेलंगाना के मिरियालगुडा के कलाकावाड़ा में एक घर में सिलिंडर ब्लास्ट हो गया। इसके कारण घर में आग लग गई और करीब 3 लोगों की मौत हो गई। फायर विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि देर रात करीब 12:30 बजे आग लगने की सूचना मिली। एक फायर इंजन मौके पर पहुंचा और आग पर काबू पाया गया। हम मामले की जांच कर रहे हैं।उन्होंने कहा, 'सिलेंडर फटने से तीन लोगों की मौत हो गई। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मरने वालों में एक बुजुर्ग महिला, एक लड़की और एक लड़का शामिल हैं। जांच पूरी होने के बाद हम और जानकारी देंगे।'

मेट्रो एंकर

विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं

पीएम मोदी बोले- संकल्प को और मजबूत करने का समय

नई दिल्ली, एजेंसी

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य कर रहे लोगों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह दिन पर्यावरण की रक्षा और सतत विकास (सस्टेनेबल ग्रोथ) के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को फिर से मजबूत करने का अवसर है।प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस की सभी को शुभकामनाएं। मैं पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित सभी लोगों की सराहना करता हूं। उन्होंने कहा कि यह दिन हमें पर्यावरण की सुरक्षा और सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए अपने संकल्प को दोहराने की याद दिलाता है।

हरित क्षेत्र में उपलब्धियों का किया जिक्र

प्रधानमंत्री ने पिछले एक दशक में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि भारत की प्रमुख उपलब्धियों में हरित क्षेत्र (ग्रीन कवर) का विस्तार और कई वन्यजीव प्रजातियों की आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि शामिल है।मोदी ने देशवासियों की भी प्रशंसा की और कहा कि लोगों ने यह साबित किया है कि सामूहिक प्रयास, प्रभावी नीतियां, विज्ञान पर विश्वास और नवाचार के जरिए पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार और जनता की साझी भागीदारी से पर्यावरण के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल हुई हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस से जुड़ी कुछ खास बातें

गौरतलब है कि विश्व पर्यावरण दिवस हर वर्ष 5 जून को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोगों को इस दिशा में ठोस कदम उठाने के लिए प्रेरित करना है।संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा वर्ष 1973 में शुरू किया गया यह दिवस आज पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर जन-जागरूकता का दुनिया का सबसे बड़ा मंच बन चुका है। हर साल करोड़ों लोग इस अभियान से जुड़ते हैं और पर्यावरण संरक्षण के लिए अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हैं।वर्ष 2026 में विश्व पर्यावरण दिवस की मेजबानी अजरबैजान करेगा। समय के साथ यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने का एक प्रभावशाली अंतरराष्ट्रीय मंच बन गया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564